नारी जरूरत पड़ने पर शक्ति रूप भी धारण कर सकती है: एसपी

जालोर. समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुति देती बालिकाएं।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया

भास्कर न्यूज | जालोर

एजुकेट गर्ल्स का आठवां स्थापना दिवस समारोह बुधवार को शंकर वाटिका में समारोहपूर्वक मनाया गया। समारोह में जिला प्रमुख डॉ. बन्ने सिंह गोहिल, सीईओ जवाहर चौधरी व एसपी श्वेता धनकड़ अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों की ओर से मां सरस्वती की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसपी श्वेता धनखड़ ने नारी को नारायणी का दर्जा देते हुए कहा कि नारी को प्राचीन काल से ही सम्मान की नजर से देखा जाता रहा है। लक्ष्मी, सरस्वती व दुर्गा तीनों नारी के ही रुप है। इस अवसर पर डीईओ माध्यमिक जयनारायण द्विवेदी, डीईओ प्रारंभिक सैय्यद अली सैय्यद सहित संस्था से जुड़े पदाधिकारी व प्रतिनिधि उपस्थित थे।

दी आकर्षक प्रस्तुतियां

समारोह में 750 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इस दौरान छात्राओं की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम, रोल-प्ले, उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां पेश की। छात्राओं ने नृत्य के माध्यम से संस्था की थीम 'उड़ान' का भी मनमोहक प्रस्तुतीकरण दिया गया।

संस्था के बारे में दी जानकारी

एजुकेट गर्ल्स के मुख्य परिचालन अधिकारी सुरेश सुब्रमण्यिन ने कहा कि संस्था आज जिस मुकाम पर है, उसमें टीम के सभी सदस्यों के 8 सालों के कठिन परिश्रम एवं दृढ़ता की महत्वपूर्ण भूमिका है।

''उड़ान'' के जरिए बताई अपनी अभी तक की उडान

जालोर। एजुकेट गर्ल्स (एक गैर-सरकारी संगठन जिसने लड़कियों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक रुप से पिछड़े जिलों में सरकार, स्कूल एवं लोक प्रशासकीय निकायों के साथ साझेदारी की है) ने बुधवार को अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए 'शंकर वाटिका' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रमुख डॉ. बन्ने सिंह गोहिल एवं विशिष्टि अतिथि के रूप में जवाहर चौधरी व श्वेता धनकड ने शिरकत की।

एजुकेट गर्ल्स ने टीम बालिकाओं के साथ अपने स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ मनाई

जालोर, राजस्थान। एजुकेट गर्ल्स (एक गैर-सरकारी संगठन जिसने लड़कियों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक रुप से पिछड़े जिलों में सरकार, स्कूल एवं लोक प्रशासकीय निकायों के साथ साझेदारी की है) ने आज अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'शंकर वाटिका' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रमुख डॉ. बन्ने सिंह गोहिल एवं विशिष्टि अतिथि के रूप में श्री जवाहर चौधरी व श्वेता धनकड ने शिरकत की। प्रत्येक वर्ष के समान ही इस वर्ष भी इस समारोह में 75 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 9 लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम "उड़ान" को ध्यान में रख कर चिंतनपरक तरीके से डिजाइन किया गया था। एजुकेट गर्ल्स वर्तमान समय में राजस्थान के 7 जिलों के 46 गाँवों में फैले लगभग 8 स्कूलों में कार्यरत है। 8 वर्ष पूर्व अपने शुभारंभ के समय से इस संगठन ने 1,,, से अधिक बालिकाओं का नामांकन किया। एजुकेट गर्ल्स के कार्यों से अब तक 28,,, से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए हैं।

एजुकेट गर्ल्स ने टीम बालिकाओं (सामुदायिक स्वयंसेवक) के साथ अपने स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ मनाई

जालोर, राजस्थान। एजुकेट गर्ल्स (एक गैर-सरकारी संगठन जिसने लड़कियों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक रुप से पिछड़े जिलों में सरकार, स्कूल एवं लोक प्रशासकीय निकायों के साथ साझेदारी की है) ने आज अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'शंकर वाटिका' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रमुख डॉ. बन्ने सिंह गोहिल एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री जवाहर चौधरी व श्वेता धनकड ने शिरकत की। प्रत्येक वर्ष के समान ही इस वर्ष भी इस समारोह में 750 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 900 लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम ''उड़ान'' को ध्यान में रख कर चिंतनपरक तरीके से डिजाइन किया गया था। एजुकेट गर्ल्स वर्तमान समय में राजस्थान के 7 जिलों के 4600 गाँवों में फैले लगभग 8000 स्कूलों में कार्यरत है। 8 वर्ष पूर्व अपने शुभारंभ के समय से इस संगठन ने 1,00,000 से अधिक बालिकाओं का नामांकन किया। एजुकेट गर्ल्स के कार्यों से अब तक 28,00,000 से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए हैं। यह वर्ष ऐतिहासिक रहा है, क्योंकि एजुकेट गर्ल्स 10,00,000 से अधिक अनूठे लाभार्थियों तक पहुंचने में सफल रहा है-यह उपलब्धि इसकी स्थापना के बाद से किसी भी शैक्षणिक वर्ष की अपेक्षा से पहली बार सबसे अधिक है। स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ का यह समारोह, दोहरी खुशियों को ले कर आया है क्योंकि एजुकेट गर्ल्स ने इस वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक क्षेत्र के सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवार्ड - स्कोल अवार्ड को हासिल किया। यह अवार्ड एजुकेट गर्ल्स को ऑक्सफोर्ड, इंग्लैंड में दिया गाया। सुरेश सुब्रमण्यिन, मुख्य परिचालन अधिकारी, एजुकेट गर्ल्स ने इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि,• ''8 वर्ष एक लंबा समय होता है! एजुकेट गर्ल्स आज जिस मुकाम पर खड़ा हैं, उसमें इसकी टीम के कठिन परिश्रम एवं दृढ़ता की महत्वपूर्ण भूमिका है।

एज्यूकेट गर्ल्स वार्षिक महोत्सव आज

नवज्योति/ जालोर। एजुकेट गर्ल्स के आठवें स्थापना दिवस के अवसर पर वार्षिक महोत्सव आज 9 नवंबर को प्रातः 11.30 बजे शंकर वाटिका में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, रोल प्ले एवं हृदय स्पर्शी कहानियों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी जाएगी। एजुकेट गर्ल्स के मुख्य परिचालन अधिकारी सुब्रमण्यिम की उपस्थित में 370 बालिका टीम द्वारा अपने हुनर को प्रदर्शन किया जाएगा।

एजुकेट गर्ल्स ने मनाई स्थापना की 8वीं वर्षगांठ

नवज्योति/जालोर।

एजुकेट गर्ल्स ने बुधवार को अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए 'शंकर वाटिका' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रमुख डॉ. बन्नेसिंह गोहिल एवं विशिष्टि अतिथि के रूप में जवाहर चौधरी व श्वेता धनकड ने शिरकत की। प्रत्येक वर्ष के समान ही इस वर्ष भी इस समारोह में 750 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 9 सौ लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम ''उड़ान'' को ध्यान में रख कर चिंतनपरक तरीके से डिजाइन किया गया था। एजुकेट गर्ल्स वर्तमान समय में राजस्थान के 7 जिलों के 4600 गाँवों में फैले लगभग 8 हजार स्कूलों में कार्यरत है। 8 वर्ष पूर्व अपने शुभारंभ के समय से इस संगठन ने 1 लाख से अधिक बालिकाओं का नामांकन किया। एजुकेट गर्ल्स के कार्यों से अब तक 28 लाख से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए हैं। यह वर्ष ऐतिहासिक रहा है, क्योंकि एजुकेट गर्ल्स 10 लाख से अधिक अनूठे लाभार्थियों तक पहुंचने में सफल रहा है। यह उपलब्धि इसकी स्थापना के बाद से किसी भी शैक्षणिक वर्ष की अपेक्षा से पहली बार सबसे अधिक है। स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ का यह समारोह, दोहरी खुशियों को ले कर आया है क्योंकि एजुकेट गर्ल्स ने इस वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक क्षेत्र के सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवार्ड स्कोल अवार्ड को हासिल किया। यह अवार्ड एजुकेट गर्ल्स को ऑक्सफोर्ड, इंग्लैंड में दिया गया।

एजुकेट गर्ल्स ने वर्षगांठ मनाई

■ राजस्थान खोज खबर

जालोर। एजुकेट गर्ल्स ने बुधवार को 8 वें स्थापना दिवस की वर्षगाठ का समारोह का आयोजन एक निजी वाटिका में किया। समारोह में मुख्य अतिथि जिला प्रमुख बन्नेसिंह गोहिल एवं विशिष्ठ अतिथि के रूप जालोर पुलिस अधीक्षक श्वेता धनखड़ व जवाहर चौधरी थे। हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी इस समारोह में 75 बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित होकर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों को पेश किया जिसमे संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल प्ले, एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की कहानिया शामिल थी। एजुकेट गर्ल्स वर्तमान समय में राजस्थान के सात जिलो के 4600 गांवो मे फेलें लगभग 8000

एजुकेट गर्ल्स के वर्षगांठ कार्यक्रम में उपस्थित एजुकेट गर्ल्स

स्कूलों में कार्यरत है इस अवसर पर एजुकेट गर्ल्स के मुख्य परिचालन अधिकारी सुरेश सुब्रमण्यिन ने इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि 8 वर्ष एक लम्बा समय होता है। जिससे एजुकेट आज इस मुकाम पर खड़ा है। इसमें कठिन परिश्रम एव दृढता की महत्वपूर्ण भूमिका है। एजुकेट गर्ल्स के सामुदायिक स्वंय सेवकों को टीम बालिका के नाम से पुकारा जाता है। टीम बालिका अपने संबधित गांवों में स्कूल सुधार के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्यरत है।

बेटियां अपनी प्रतिभा से रोशन करे नाम-गोहिल

जालोर में एजुकेट गर्ल्स के कार्यक्रम में मौजूद बालिकाएं व अन्य। पत्रिका

एजुकेट गर्ल्स का आठवां स्थापना दिवस मनाया

जालोर @ पत्रिका

patrika.com

बेटियां पढ़ लिखकर सफलता के नए सोपान स्थापित करे। वे अपनी प्रतिभा के बल पर जिले के नाम रोशन करे। बालिकाओं में प्रतिभा के निखार को लेकर व उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए एजुकेट गर्ल्स की ओर से किया जा रहा कार्य सराहनीय है। यह बात जिला प्रमुख डॉ. वन्नेसिंह गोहिल ने एजुकेट गर्ल्स की ओर से टीम बालिकाओं (सामुदायिक स्वयंसेवक) के साथ उनके स्थापना दिवस की 8 वीं वर्षगांठ पर बतौर मुख्य अतिथि कही। एजुकेट गर्ल्स की ओर से शहर के रतनपुरा मार्ग स्थित एक वाटिका में आठवां स्थापना दिवस मनाया गया। विशिष्ट अतिथि पुलिस अधीक्षक श्वेता धनखड़ ने कार्यक्रम में जिले से भर से आई बालिकाओं का उत्साहवर्धन करते हुए मेहनत व लगन से पढ़ाई करने की नसीहत दी। विशिष्ट अतिथि जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जवाहर चौधरी ने एजुकेट गर्ल्स संस्था की ओर से बालिका शिक्षा के क्षेत्रमें किए जा रहे प्रयासों को बेहतर प्रयास बताया। समारोह में 750 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। बालिकाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी प्रस्तुति दी।

जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की कहानियां पेश की गई। इस पूरे कार्यक्रम स्थल को इस वर्ष की थीम उड़ान को ध्यान में रख कर डिजाइन किया गया था। एजुकेट गर्ल्स के मुख्य परिचालन अधिकारी सुरेश सुब्रह्मणीयम ने कहा कि एजुकेट गर्ल्स आज जिस मुकाम पर खड़ा है, उसमें इसकी टीम के कठिन परिश्रम एवं दृढ़ता की महत्वपूर्ण भूमिका है। एजुकेट गर्ल्स का प्रबंधन एवं आउटरीच कार्यालय मुंबई में है। यह राजस्थान के पाली, जालोर, सिरोही, अजमेर, राजसमंद, बूंदी और भीलवाड़ा जिले में कार्य कर रही है। इस मौके जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) जयनारायण द्विवेदी, जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारंभिक) सैय्यद अली सैय्यद, सर्व शिक्षा अभियान के एडीपीसी सुरेशकुमार, राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के, एडीपीसी प्रकाशचंद्र चौधरी, जिला साक्षरता व सतत शिक्षा अधिकारी यज्ञदत्त रुणेचा, एजुकेट गर्ल्स के जिला प्रबंधक शिवराज गुर्जर व शबनम शेट्टी समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

'एजुकेट गर्ल्स ने दी बालिकाओं को नई उड़ान'

जालोर, (कासं)। एजुकेट गर्ल्स (एक गैर-सरकारी संगठन) ने बुधवार को अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ के लिए 'शंकर वाटिका' जालोर में एक विशाल समारोह का आयोजन किया।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रमुख डॉ. बन्नेसिंह गोहिल एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में जवाहर चौधरी व श्वेता धनकड ने शिरकत की। इस मौके वा एसपी श्वेता धनखड न कहा कि एजुकेट गर्ल्स से बालिकाओं को नई उड़ान दी हैं। जालोर की पुष्पा सागर ने सम्बोधित करते हुए कहा कि एजुकेट गर्ल्स के कारण मुझे नई उड़ान मिली है। एजुकेट गर्ल्स से पहले में शिक्षा से कोसो दूर थी। समारोह में 750 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित होकर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। जानकारी के अनुसार एजुकेट गर्ल्स एक गैर-सरकारी संगठन है, जो समग्रतापूर्वक भारत के शिक्षा तंत्र में लिंग असमानता के प्रमुख कारण के मुद्दों से निपटता है। संगठन की स्थापना 2007 में की गई। एजुकेट गर्ल्स का प्रबंधन एवं आउटरीच कार्यालय मुंबई में है। यह राजस्थान के 7 पिछड़े जिलों में (पाली, जालोर, सिरोही, अजमेर, राजसमंद, बूंदी और भीलवाडा) परिचालन करता है। एजुकेट गर्ल्स द्वारा 4,600 गांवों में 8000 से अधिक स्कूलों में अपने प्रोग्राम क्रियान्वित किये गये है। विगत 8 वर्षों में एक लाख लड़कियों का नामांकन कराया और इनके कार्यों से 28 लाख से अधिक बच्चें लाभान्वित हुये है।

एजुकेट गर्ल्स ने टीम बालिकाओं (सामुदायिक स्वयंसेवक) के साथ अपने स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाई

जालोर (राजस्थान) (एजेंसी)। एजुकेट गर्ल्स (एक गैर-सरकारी संगठन जिसने लड़कियों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक रूप से पिछड़े जिलों में सरकार, स्कूल एवं लोक प्रशासकीय निकायों के साथ साझेदारी की है) ने आज अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'शंकर वाटिका' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रमुख डॉ. [illegible] एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री जवाहर चौधरी व [illegible] ने शिरकत की। प्रत्येक वर्ष के समान ही इस वर्ष भी इस समारोह में 750 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, खेल-कूद एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 900 लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम उड़ान को ध्यान में रख कर चित्रात्मक तरीके से डिजाइन किया गया था। एजुकेट गर्ल्स वर्तमान समय में राजस्थान के 7 जिलों के 4600 गाँवों में फैले लगभग 8000 स्कूलों में कार्यरत है। 8 वर्ष पूर्व अपने शुभारंभ के समय से इस संगठन ने 1,00,000 से अधिक बालिकाओं का नामांकन किया। एजुकेट गर्ल्स के कार्यों से अब तक 28,00,000 से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए हैं। यह वर्ष ऐतिहासिक रहा है, क्योंकि एजुकेट गर्ल्स 10,00,000 से अधिक अनूठे लाभार्थियों तक पहुंचने में सफल रहा है-यह उपलब्धि इसकी स्थापना के बाद से किसी भी शैक्षणिक वर्ष की अपेक्षा से पहली बार सबसे अधिक है। स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ का यह समारोह, दोहरी खुशियाँ को ले कर आया है क्योंकि एजुकेट गर्ल्स ने इस वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक क्षेत्र के सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवार्ड-स्कोल अवार्ड को हासिल किया। यह अवार्ड एजुकेट गर्ल्स को ऑक्सफोर्ड, इंग्लैंड में दिया गया। सुरेश सुब्रमणियम, मुख्य परिचालन अधिकारी, एजुकेट गर्ल्स ने इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि, 8 वर्ष एक लंबा समय होता है। एजुकेट गर्ल्स आज जिस मुकाम पर खड़ा है, उसमें इसकी टीम के कठिन परिश्रम एवं दृढ़ता की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस अवसर पर मैं आप सभी को धन्यवाद देता हूं, विशेषकर अपनी टीम बालिका के सदस्यों को। बालिका शिक्षा के सरोकार में अपने बहुमूल्य समय एवं प्रयास को न्यौछावर करने के लिए आप को बहुत-बहुत धन्यवाद। आप ने

उन 1,00,000 बालिकाओं को आशा रूपी पंखों से सुसज्जित किया है, जिन्हें आप ने अभी तक नामांकित किया है और आप के इस प्रयास से आने वाले समय में एक बड़ा बदलाव आएगा। मैं आप सभी से यह गुजारिश करता हूं कि आप एजुकेट गर्ल्स को अपना समर्थन देना जारी रखें एवं भारत की प्रत्येक बालिका को शिक्षा प्रदान करने के एजुकेट गर्ल्स विजन को पूर्ण रूप में परिवर्तित करने के लिए कार्य करें।

एजुकेट गर्ल्स ने स्थापना दिवस मनाया

जालोर। राजस्थान के जालोर में एजुकेट गर्ल्स एक गैर-सरकारी संगठन जिसने लड़कियों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक रुप से पिछड़े जिलों में सरकार, स्कूल एवं लोक प्रशासकीय निकायों के साथ साझेदारी की है) ने आज अपने 8 वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए 'शंकर वाटिका' में समारोह का आयोजन किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रमुख डॉ. बन्न सिंह गोहिल एवं विशिष्टि अतिथि जवाहर चौधरी व श्वेता धनकड ने शिरकत की। प्रत्येक वर्ष के समान ही इस वर्ष भी इस समारोह में 750 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया।

एजुकेट गर्ल्स संस्था ने 8वीं वर्षगांठ मनाई

भास्कर संवाददाता | पाली

एजुकेट गर्ल्स संस्था ने मंगलवार को 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाई। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर कलेक्टर कुमारपाल गौतम व एसपी दीपक भार्गव मौजूद थे। प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी इस समारोह में 330 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर प्रोत्साहन एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित होकर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। संगीतमय प्रस्तुतियों, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस मौके पर कई सरकारी अधिकारी, पीआरआई सदस्य, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम 'उड़ान' को ध्यान में रख कर चिंतन परक तरीके से डिजाइन किया गया था।

पाली. एजुकेट गर्ल्स संस्था ने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाई। इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देती छात्राएं।

एज्यूकेट गर्ल्स की मनाई आठवीं वर्षगांठ

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बिखेरी छटां

पाली। एज्यूकेट गर्ल्स के 8वें स्थापना दिवस को लेकर मंगलवार को किसान केसरी गार्डन मे समारोह का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन पुलिस अधीक्षक दीपक भार्गव एवं जिला कलेक्टर कुमारपाल गौतम ने किया। अतिथि के रूप् में सर्वशिक्षा अभियान के जगदीशचंद्र राठौड़ ने भी शिरकत की। पिछड़े जिलों में सरकार, स्कूल एवं लोक प्रशासकीय निकायों के साथ साझेदारी कि है एक गैर-सरकारी संगठन जिसने लड़कियों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक रुप समारोह का आयोजन किया। प्रत्येक वर्ष के समान ही इस वर्ष भी इस समारोह में 330 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोंत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हदयस्पर्शी कहानियों से लोगों को अचम्भित कर दिया । इस अवसर पर लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि, " 8 वर्ष एक लंबा समय होता है! एजुकेट गर्ल्स आज जिस मुकाम पर खड़ा है, उसमें इसकी टीम के कठिन परिश्रम एवं दृढ़ता की महत्वपुर्ण भुमिका है। मे अपने बहुमुल्य समय एवं प्रयास उन एक लाख बालिकाओं को आशा रुपी पंख से सुसज्जित किया है, जिन्हें अभी तक नामांकित किया है ओर इस प्रयास से आने वाले समय में एक बड़ा बदलाव आएगा। इस मौके पर बड़ी संख्या मे लोग मौजूद थे।

एजुकेट गर्ल्स ने मनाया आठवां स्थापना दिवस

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मनमोहा, बालिका विकास पर मंथन

■ राजस्थान खोज खबर

पाली। पाली। एजुकेट गर्ल्स की ओर से आठवें स्थापना दिवस पर मंगलवार को यहां किसान केसरी मैरिज गार्डन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजन के दौरान कार्यक्रम स्थल को इस वर्ष की थीम उड़ान को ध्यान में रख कर डिजाइन किया गया। कार्यक्रम में एजुकेट गर्ल्स की बालिकाओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। इनमें रोल प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की कहानियां शामिल थी। कार्यक्रम सरकारी अधिकारी, पीआई सदस्य, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी एवं टीम की 330 बालिकाओं सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन मौजूद रहे।

समारोह में 330 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित होकर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया। संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 600 लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। जिला कलक्टर कार्यक्रम कुमारपाल गौतम कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शरीक हुए। वहीं पुलिस अधीक्षक पाली दीपक भार्गव, एडीपीसी जगदीशचन्द्र राठौड,एपीसी मोतीसिंह उ जवल व जिला साक्षरता अधिकारी बुधाराम मौजूद थे विशिष्ट अतिथि थे।

28 लाख से अधिक बच्चे लाभांवित

एजुकेट गर्ल्स के मुख्य परिचालन अधिकारी सुरेश सुब्रमणियन ने बताया कि एजुकेट गर्ल्स आज जिस मुकाम पर खड़ा है, उसमें इसकी टीम के कठिन परिश्रम एवं दृढ़ता की महत्वपूर्ण भूमिका है। एजुकेट गर्ल्स वर्तमान समय में राजस्थान के 7 जिलों के 4600 गांवों में फैले लगभग 8000 स्कूलों में कार्यरत है। 8 वर्ष पूर्व अपने शुभारंभ के समय से इस संगठन ने 1,00,000 से अधिक बालिकाओं का नामांकन किया। एजुकेट गर्ल्स के कार्यों से अब तक 28,00,000 से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए हैं। यह वर्ष ऐतिहासिक रहा है, क्योंकि एजुकेट गर्ल्स 10,00,000 से अधिक अनूठे लाभार्थियों तक पहुंचने में सफल रहा है। यह उपलब्धि इसकी स्थापना के बाद से किसी भी शैक्षणिक वर्ष की अवधि से पहली बार सबसे अधिक है। स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ का यह समारोह, दोहरी खुशियां ले कर आया है क्योंकि एजुकेट गर्ल्स ने इस वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक क्षेत्र के सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवार्ड - स्कोल अवार्ड को हासिल किया। यह अवार्ड एजुकेट गर्ल्स को ऑक्सफोर्ड, इंग्लैंड में दिया गया।

स्वत्वाधिकारी मैं राजस्थान खोज खबर के लिए प्रकाशक व मुद्रक राजेन्द्रसिंह द्वारा राजस्थान खोज खबर द्वितीय तल, भाटी डेयरी, नयालखा रोड, पाली (राज.) से प्रकाशित
RNI/RAJHIN/2009/27211 पोस्टल रजिस्ट्रेशन PALI / 72/2015-2017. फोन व फैक्स: 02932-227066, समाचार संपादक: दिनेश जोशी-पीआरबी एक्ट के तहत समाचार

बालिका शिक्षा के विकास पर किया मंथन

एजुकेट गर्ल्स ने टीम बालिकाओं (सामुदायिक स्वयंसेवक) के साथ अपने स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ मनाई

पाली, 8 दिसंबर। एजुकेट गर्ल्स (एक गैर-सरकारी संगठन जिसने लड़कियों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक रुप से पिछड़े जिलों में सरकार, स्कूल एवं लोक प्रशासकीय निकायों के साथ साझेदारी की है) ने आज अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'किसान केशरी मैरिज गार्डन' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। प्रत्येक वर्ष के समान ही इस वर्ष भी इस समारोह में 330 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 600 लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम ''उड़ान'' को ध्यान में रख कर चिंतनपरक तरीके से डिजाइन किया गया था। कार्यक्रम में बतौर अतिथि के रूप में जिला कलक्टर पाली कुमार पाल गौतम, पुलिस अधीक्षक पाली दीपक भार्गव, एडीपीसी जगदीश चन्द्र राठौड, एपीसी मोतीसिंह उज्जवल व जिला साक्षरता अधिकारी बुधाराम मौजूद थे।

एजुकेट गर्ल्स वर्तमान समय में राजस्थान के 7 जिलों के 4600 गाँवों में फैले लगभग 8000 स्कूलों में कार्यरत है। 8 वर्ष पूर्व अपने शुभारंभ के समय से इस संगठन ने 1,00,000 से अधिक बालिकाओं का नामांकन किया। एजुकेट गर्ल्स के कार्यों से अब तक 28,00,000 से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए हैं। यह वर्ष ऐतिहासिक रहा है, क्योंकि एजुकेट गर्ल्स 10,00,000 से अधिक अनूठे लाभार्थियों तक पहुंचने में सफल रहा है-यह उपलब्धि इसकी स्थापना के बाद से किसी भी शैक्षणिक वर्ष की अपेक्षा से पहली बार सबसे अधिक है। स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ का यह समारोह दोहरी खुशियों को ले कर आया है क्योंकि एजुकेट गर्ल्स ने इस वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक क्षेत्र के सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवार्ड ''स्कॉल अवार्ड'' को हासिल किया। यह अवार्ड एजुकेट गर्ल्स को ऑक्सफोर्ड, इंग्लैंड में दिया गया।

महेश्वर सुब्रमण्यिन, मुख्य परिचालन अधिकारी, एजुकेट गर्ल्स ने इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि, ''8 वर्ष एक लंबा समय होता है। एजुकेट गर्ल्स आज जिस मुकाम पर खड़ा है, उसमें इसकी टीम के कठिन परिश्रम एवं दृढ़ता की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस अवसर पर मैं आप सभी को धन्यवाद देता हूं, विशेषकर अपनी टीम बालिका के सदस्यों को। बालिका शिक्षा के सरोकार में अपने बहुमूल्य समय एवं प्रयास को न्योछावर करने के लिए आप को बहुत-बहुत धन्यवाद। आप ने इन 1,00,000 बालिकाओं को आशा रुपी पंखों से सुसज्जित किया है, जिन्हें आप ने अभी तक नामांकित किया है और आप के इस प्रयास से आने वाले समय में एक बड़ा बदलाव आएगा। मैं आप सभी से यह गुजारिश करता हूं कि आप एजुकेट गर्ल्स कोअपना समर्थन देना जारी रखें एवं भारत की प्रत्येक बालिका को शिक्षा प्रदान करने के एजुकेट गर्ल्स विज़न को मूर्त रूप में परिवर्तित करने के लिए कार्य करें।''

एजुकेट गर्ल्स का लक्ष्य भारत की सभी बालिकाओं का व्यवहारगत, सामाजिक एवं आर्थिक रुपांतरण करना है, जहां पर सभी बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्राप्त करने का समान अवसर उपलब्ध है। इसका लक्ष्य वर्ष 2018 तक भारत के पिछड़े समुदाय में निवास करने वाले लगभग 40,00,000 बच्चों तक पहुंचना है।

एजुकेट गर्ल्स का आठवें स्थापना दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

निजी संवाददाता

पाली। एजुकेट गर्ल्स की ओर से आठवें स्थापना दिवस पर मंगलवार को यहां किसान केसरी मैरिज गार्डन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजन के दौरान कार्यक्रम स्थल को इस वर्ष की थीम उड़ान को ध्यान में रख कर डिजाइन किया गया। कार्यक्रम में एजुकेट गर्ल्स की बालिकाओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी।

इनमें रोल प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की कहानियां शामिल थी। कार्यक्रम सरकारी अधिकारी, पीआई सदस्य, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी एवं टीम की 330 बालिकाओं सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन मौजूद रहे।

एजुकेट गर्ल्स ने अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाई

(मल्हनाद न्यूज)
पाली 08 दिसम्बर।

एजुकेट गर्ल्स (एक गैर-सरकारी संगठन जिसने लड़कियों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक रूप से पिछड़े जिलों में सरकार, स्कूल एवं लोक प्रशासकीय निकायों के साथ साझेदारी की है) ने आज अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'किसान केशरी मैरिज गार्डन' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। प्रत्येक वर्ष के समान ही इस वर्ष भी इस समारोह में 330 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 600 लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी. आर. आई सदस्य, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम "उड़ान"

को ध्यान में रख कर चिंतनपरक तरीके से डिजाइन किया गया था। कार्यक्रम में बतौर अतिथि के रूप में जिला कलक्टर पाली कुमार पाल गौतम, पुलिस अधीक्षक पाली दीपक भार्गव, एडीपीसी जगदीशचन्द्र राठौड,एपीसी मोतीसिंह उज्जवल व जिला साक्षरता अधिकारी बुधाराम मौजूद थे।

एजुकेट गर्ल्स वर्तमान समय में राजस्थान के 7 जिलों के 4600 गाँवों में फैले लगभग 8000 स्कूलों में कार्यरत है। 8 वर्ष पूर्व अपने शुभारंभ के समय से इस संगठन ने 1,00,000 से अधिक बालिकाओं का नामांकन किया। एजुकेट गर्ल्स के कार्यों से अब तक 28,00,000 से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए हैं। यह वर्ष ऐतिहासिक रहा है, क्योंकि एजुकेट गर्ल्स 10,00,000 से अधिक अनूठे लाभार्थियों तक पहुंचने में सफल रहा है-यह उपलब्धि इसकी स्थापना के बाद से किसी भी शैक्षणिक वर्ष की अपेक्षा से पहली बार सबसे अधिक है। स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ का यह समारोह, दोहरी खुशियों को ले कर आया है क्योंकि एजुकेट गर्ल्स ने इस वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक क्षेत्र के सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवार्ड - स्कोल अवार्ड को हासिल किया। यह अवार्ड एजुकेट गर्ल्स को ऑक्सफोर्ड, इंग्लैंड में दिया गया।

सुरेश सुब्रमण्यिन, मुख्य परिचालन अधिकारी, एजुकेट गर्ल्स ने इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि, "8 वर्ष एक लंबा समय होता है! एजुकेट गर्ल्स आज जिस मुकाम पर खड़ा है, उसमें इसकी टीम के कठिन परिश्रम एवं दृढ़ता की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस अवसर पर मैं आप सभी को धन्यवाद देता हूं, विशेषकर अपनी टीम बालिका के सदस्यों को। बालिका शिक्षा के सरोकार में अपने बहुमूल्य समय एवं प्रयास को न्योछावर करने के लिए आप को बहुत-बहुत धन्यवाद। आप ने उन 1,00,000 बालिकाओं को आशा रूपी पंखों से सुसज्जित किया है, जिन्हें आप ने अभी तक नामांकित किया है और आप के इस प्रयास से आने वाले समय में एक बड़ा बदलाव आएगा। मैं आप सभी से यह गुजारिश करता हूं कि आप एजुकेट गर्ल्स कोअपना समर्थन देना जारी रखें एवं भारत की प्रत्येक बालिका को शिक्षा प्रदान करने के एजुकेट गर्ल्स विज़न को मूर्त रुप में परिवर्तित करने के लिए कार्य करें।"

एजुकेट गर्ल्स का लक्ष्य भारत की सभी बालिकाओं का व्यवहारगत, सामाजिक एवं आर्थिक रुपांतरण करना है, जहां पर सभी बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्राप्त करने का समान अवसर उपलब्ध है। इसका लक्ष्य वर्ष 2018 तक भारत के पिछड़े समुदाय में निवास करने वाले लगभग 40,00,000 बच्चों तक पहुंचना है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

बालिका शिक्षा...

यह अवार्ड एजुकेट गर्ल्स को ऑक्सफोर्ड, इंग्लैंड में दिया गाया। सुरेश सुब्रमण्यिन, मुख्य परिचालन अधिकारी, एजुकेट गर्ल्स ने इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि, ''8 वर्ष एक लंबा समय होता है! एजुकेट गर्ल्स आज जिस मुकाम पर खड़ा है, उसमें इसकी टीम के कठिन परिश्रम एवं दृढ़ता की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस अवसर पर मैं आप सभी को धन्यवाद देता हूं, विशेषकर अपनी टीम बालिका के सदस्यों को। बालिका शिक्षा के सरोकार में अपने बहुमूल्य समय एवं प्रयास को न्योछावर करने के लिए आप को बहुत-बहुत धन्यवाद। आप ने उन 1,00,000 बालिकाओं को आशा रुपी पंखो से सुसज्जित किया है, जिन्हें आप ने अभी तक नामांकित किया है और आप के इस प्रयास से आने वाले समय में एक बड़ा बदलाव आएगा। मैं आप सभी से यह गुजारिश करता हूं कि आप एजुकेट गर्ल्स कोअपना समर्थन देना जारी रखें एवं भारत की प्रत्येक बालिका को शिक्षा प्रदान करने के एजुकेट गर्ल्स विज़न को मूर्त रुप में परिवर्तित करने के लिए कार्य करें।'' एजुकेट गर्ल्स का लक्ष्य भारत की सभी बालिकाओं का व्यवहारगत, सामाजिक एवं आर्थिक रुपांतरण करना है, जहां पर सभी बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्राप्त करने का समान अवसर उपलब्ध है। इसका लक्ष्य वर्ष 2018 तक भारत के पिछड़े समुदाय में निवास करने वाले लगभग 40,00,000 बच्चों तक पहुंचना है।

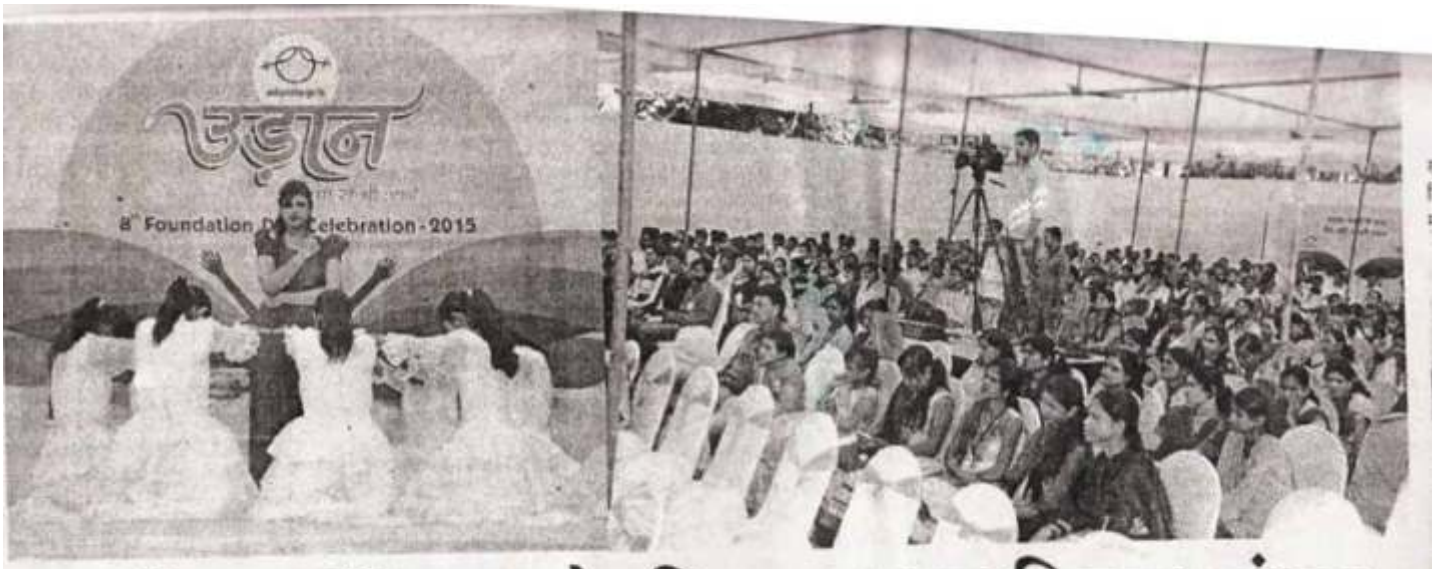

बालिका शिक्षा के विकास पर किया मंथन

एजुकेट गर्ल्स ने टीम बालिकाओं (सामुदायिक स्वयंसेवक) के साथ अपने स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ मनाई

पाली, (नगर प्रभा टीम)। एजुकेट गर्ल्स (एक गैर-सरकारी संगठन जिसने लड़कियों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक रूप से पिछड़े जिलों में सरकार, स्कूल एवं लोक प्रशासकीय निकायों के साथ साझेदारी की है) ने आज अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'किसान केशरी मैरिज गार्डन' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। प्रत्येक वर्ष के समान ही इस वर्ष भी इस समारोह में 330 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारम्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 600 लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम "उड़ान" को ध्यान में रख कर चिंतनपरक तरीके से डिजाइन किया गया था। कार्यक्रम में बतौर अतिथि के रूप में जिला कलक्टर पाली कुमार पाल गौतम, पुलिस अधीक्षक पाली दीपक भार्गव, एडीपीसी जगदीश चन्द्र राठौड़, एपीसी मोतीसिंह उज्जवल व जिला साक्षरता अधिकारी बुधाराम मौजूद थे।

एजुकेट गर्ल्स वर्तमान समय में राजस्थान के 7 जिलों के 4600 गाँवों में फैले लगभग 8000 स्कूलों में कार्यरत है। 8 वर्ष पूर्व अपने शुभारंभ के समय से इस संगठन ने 1,00,000 से अधिक बालिकाओं का नामांकन किया। एजुकेट गर्ल्स के कार्यों से अब तक 28,00,000 से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए हैं। यह वर्ष ऐतिहासिक रहा है, क्योंकि एजुकेट गर्ल्स 10,00,000 से अधिक अनूठे लाभार्थियों तक पहुंचने में सक्षम रहा है-यह उपलब्धि इसकी स्थापना के बाद से किसी भी शैक्षणिक वर्ष की अपेक्षा से पहली बार सबसे अधिक है। स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ का यह समारोह, दोहरी खुशियों को ले कर आया है क्योंकि एजुकेट गर्ल्स ने इस वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक क्षेत्र के सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवार्ड - स्कोल अवार्ड को हासिल किया। (शेष पृष्ठ 2 पर)

बालिका शिक्षा के विकास पर मंथन

एजुकेट गर्ल्स ने टीम बालिकाओं (सामुदायिक स्वयंसेवक) के साथ अपने स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ मनाई

पाली। एजुकेट गर्ल्स (एक गैर-सरकारी संगठन जिसने लड़कियों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक रूप से पिछड़े जिलों में सरकार, स्कूल एवं लोक प्रशासकीय निकायों के साथ साझेदारी की है) ने आज अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'किसान केशरी पैरिज गार्डन में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। प्रत्येक वर्ष के समान ही इस वर्ष भी इस समारोह में 330 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 600 लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम "उड़ान" को ध्यान में रख कर चिंतनपरक तरीके से डिजाइन किया गया था।

कार्यक्रम में बतौर अतिथि के रूप में जिला कलक्टर पाली कुमार पाल गौतम, पुलिस अधीक्षक पाली दीपक भार्गव, एडीपीसी जगदीशचन्द्र राठौड, , पीसी मोतीसिंह ओजबल व जिला साक्षरता अधिकारी बुधाराम यौजूद थे। एजुकेट गर्ल्स वर्तमान समय में राजस्थान के 7 जिलों के 4600 गाँवों में फैले लगभग 8000 स्कूलों में कार्यरत है। 8 वर्ष पूर्व अपने शुभारंभ के समय से इस संगठन ने 1,00,000 से अधिक बालिकाओं का नामांकन किया। एजुकेट गर्ल्स के कार्यों से अब तक 28,00,000 से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए हैं। यह वर्ष ऐतिहासिक रहा है, क्योंकि एजुकेट गर्ल्स 10,00,000 से अधिक अनूठे लाभार्थियों तक पहुंचने में सफल रहा है-यह उपलब्धि इसकी स्थापना के बाद से किसी भी शैक्षणिक वर्ष की अपेक्षा से पहली बार सबसे अधिक है। स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ का यह समारोह, दोहरी खुशियों को ले कर आया है क्योंकि एजुकेट गर्ल्स ने इस वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक क्षेत्र के सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवार्ड - स्कोल अवार्ड को हासिल किया। यह अवार्ड एजुकेट गर्ल्स को ऑक्सफोर्ड, इंग्लैंड में दिया गया। सुरेश सुब्रमण्यिन, मुख्य परिचालन अधिकारी, एजुकेट गर्ल्स ने इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि, "8 वर्ष एक लंबा समय होता है! एजुकेट गर्ल्स आज जिस मुकाम पर खड़ा है, उसमें इसकी टीम के कठिन परिश्रम एवं दृढ़ता की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस अवसर पर मैं आप सभी को धन्यवाद देता हूं, विशेषकर अपनी टीम बालिका के सदस्यों को। बालिका शिक्षा के सरोकार में अपने बहुमूल्य समय एवं प्रयास को न्योछावर करने के लिए आप को बहुत-बहुत धन्यवाद। आप ने उन 1,00,000 बालिकाओं को आशा रूपी पंखों से सुसज्जित किया है, जिन्हें आप ने अभी तक नामांकित किया है और आप के इस प्रयास से आने वाले समय में एक बड़ा बदलाव आएगा।

मैं आप सभी से यह गुजारिश करता हूं कि आप एजुकेट गर्ल्स कोअपना समर्थन देना जारी रखें एवं भारत की प्रत्येक बालिका को शिक्षा प्रदान करने के एजुकेट गर्ल्स विजन को मूर्त रूप में परिवर्तित करने के लिए कार्य करें।"

एजुकेट गर्ल्स का लक्ष्य भारत की सभी बालिकाओं का व्यवहारगत, सामाजिक एवं आर्थिक रूपांतरण करना है, जहां पर सभी बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्राप्त करने का समान अवसर उपलब्ध है। इसका लक्ष्य वर्ष 2018 तक भारत के पिछड़े समुदाय में निवास करने वाले लगभग 40,00,000 बच्चों तक पहुंचना है।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा समां

एज्युकेट गर्ल्स ने मनाई अपनी 8वीं स्थापना दिवस की वर्षगांठ

नवज्योति/पाली।

गैर सरकारी संगठन एज्युकेट गर्ल्स ने मंगलवार को अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ पर शहर के किसान केसरी मैरिज गार्डन में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। समारोह में 330 टीम बालिका सदस्यों ने एक साथ उपस्थित होकर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। जिन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 600 लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एज्युकेट गर्ल्स के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम 'उड़ान' को ध्यान में रख कर चिंतनपरक तरीके से डिजाइन किया गया था। एजुकेट गर्ल्स वर्तमान समय में राजस्थान के 7 जिलों के 4600 गांवों में फैले लगभग 8000 स्कूलों में कार्यरत है। संगठन के मुख्य परिचालन अधिकारी सुरेश सुब्रामणियम ने कहा कि 8 वर्ष एक लंबा समय होता है। एज्युकेट गर्ल्स आज जिस मुकाम पर खड़ा है, उसमें इसकी टीम के कठिन परिश्रम एवं दृढ़ता की महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला कलक्टर कुमारपाल गौतम व जिला पुलिस अधीक्षक दीपक भार्गव ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में सर्वशिक्षा अभियान के जगदीशचंद्र राठौड़ मौजूद रहे।

बालिका शिक्षा के विकास पर मंथन

पाली, (राकेश रावल): एजुकेट गर्ल्स ने अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए बुधवार को 'किसान केशरी मैरिज गार्डन' में समारोह का आयोजन किया। प्रत्येक वर्ष के समान ही इस वर्ष भी समारोह में 330 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया। जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं।

बेटी पढ़ेगी तो ही दुनिया बढ़ेगी

इन्द्रा कालोनी स्थित एक भवन में एजुकेट गर्ल्स की ओर से आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोग। पत्रिका

एजुकेट गर्ल्स ने मनाया आठवां स्थापना दिवस

एजुकेट गर्ल्स की ओर से आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देती छात्राएं। पत्रिका

पाली @ पत्रिका. बालिका शिक्षा के लिए काम कर रहे गैर सरकारी संगठन एजुकेट गर्ल्स का आठवां स्थापना दिवस पाली के किसान केसरी गार्डन में मंगलवार को मनाया गया। बच्चों ने नाटक के माध्यम से पढ़ाई की सामाजिक आवश्यकता और राष्ट्र के उत्थान में इसकी महत्ता पर प्रकाश डाला। इसके अलावा संगीतमय प्रस्तुतियां, कार्यकर्ताओं के व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियां भी बताई।

कार्यक्रम में अतिथि जिला कलक्टर कुमारपाल गौतम, एसपी दीपक भार्गव, एडीपीसी जगदीशचन्द्र राठौड़, एपीसी मोतीसिंह उज्ज्वल व जिला साक्षरता अधिकारी बुधाराम मौजूद रहे। कलक्टर ने सम्बोधन में कन्या शिक्षा की आवश्यकता बताई।

कार्यक्रम में संस्थान के मुख्य परिचालक अधिकारी सुरेश सुब्रह्मणियम ने बताया कि आठ वर्ष में संगठन ने एक लाख से अधिक बालिकाओं का नामांकन करवाया और उनके कार्यों से 28 लाख बच्चे लाभान्वित हुए है। इसी की बदौलत एजुकेट गर्ल्स को स्कॉल अवार्ड ऑक्सफोर्ड इंग्लैंड में दिया गया। संचालन कर रही संस्थान की मीना भाटी ने बालिकाओं का व्यवहारगत, सामाजिक एवं आर्थिक रूपान्तरण के विषय पर जानकारी दी।

बालिका शिक्षा के विकास पर मंथन

एजुकेट गर्ल्स ने स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ मनाई

जोधपुर। गैर-सरकारी संगठन एजुकेट गर्ल्स ने अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'किसान [illegible] मैरिज गार्डन' में एक समारोह का आयोजन किया। प्रत्येक वर्ष के समान ही इस वर्ष भी इस समारोह में 350 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। उन्होंने मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर सरकारी अधिकारी, पीआरआई सदस्य, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे प्रोग्राम को इस वर्ष के थीम 'उड़ान' को ध्यान में रख कर [illegible] तरीके से डिजाइन किया गया था।

कार्यक्रम में अतिथि के रूप में जिला कलेक्टर [illegible] गौतम, पुलिस अधीक्षक [illegible] दीपक भार्गव, एडीपीसी जगदीशचन्द्र राठौड़, एपीसी महेंद्रसिंह [illegible] व जिला [illegible] अधिकारी [illegible] मौजूद थे। मुख्य परिचालन अधिकारी सुरेश सुब्रमण्यम ने इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि एजुकेट गर्ल्स का लक्ष्य भारत की सभी बालिकाओं का व्यवहारगत, सामाजिक एवं आर्थिक रूपांतरण करना है, जहां पर सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का समान अवसर उपलब्ध है।

बालिका शिक्षा के विकास पर मंथन

एजुकेट गर्ल्स ने स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ मनाई

पाली। गैर-सरकारी संगठन एजुकेट गर्ल्स ने अपने 8वीं स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'किसान कन्या मैरिज गार्डन' में एक समारोह का आयोजन किया। प्रत्येक वर्ष के समान ही इस वर्ष भी इस समारोह में 330 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर सरकारी अधिकारी, पीआरआई सदस्य, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी

एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम 'उड़ान' को ध्यान में रख कर चिंतनपरक तरीके से डिजाइन किया गया था। कार्यक्रम में बतौर अतिथि के रूप में जिला कलक्टर पाली कुमार पाल गौतम, पुलिस अधीक्षक पाली दीपक भार्गव, एडीपीसी जगदीशचन्द्र राठौड़, एपीसी मोतीसिंह उन्दावत व जिला साक्षरता अधिकारी भूराराम मौजूद थे।

मुख्य परिचालन अधिकारी सुरेश सुब्रमण्यन ने इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि एजुकेट गर्ल्स का लक्ष्य भारत की सभी बालिकाओं का व्यवहारगत, सामाजिक एवं आर्थिक रूपांतरण करना है, जहां पर सभी बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्राप्त करने का समान अवसर उपलब्ध है।

Publication	TEESRA PRAHAR
Date	9 Dec. 15
Page	6

बालिका शिक्षा के विकास पर मंथन

एजुकेट गर्ल्स ने टीम बालिकाओं के साथ स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ मनाई

जोधपुर। एजुकेट गर्ल्स (एक गैर-सरकारी संगठन जिसने लड़कियों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक रुप से पिछड़े जिलों में सरकार, स्कूल एवं लोक प्रशासकीय निकायों के साथ साझेदारी की है) ने अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'किसान केशरी मैरिज गार्डन' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। प्रत्येक वर्ष के समान ही इस वर्ष भी इस समारोह में 330 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया।

इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 600 लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम ''उड़ान'' को ध्यान में रख कर चिंतनपरक तरीके से डिजाइन किया गया था। कार्यक्रम में बतौर अतिथि के रूप में जिला कलक्टर पाली कुमार पाल गौतम, पुलिस अधीक्षक पाली दीपक भार्गव, एडीपीसी जगदीशचन्द्र राठौड़,एपीसी मोतीसिंह उज्जवल व जिला साक्षरता अधिकारी बुधाराम मौजूद थे।

एजुकेट गर्ल्स वर्तमान समय में राजस्थान के 7 जिलों के 4600 गाँवों में फैले लगभग 8000 स्कूलों में कार्यरत है। 8 वर्ष पूर्व अपने शुभारंभ के समय से इस संगठन ने 1,00,000 से अधिक बालिकाओं का नामांकन किया। एजुकेट गर्ल्स के कार्यों से अब तक 28,00,000 से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए हैं। यह वर्ष ऐतिहासिक रहा है, क्योंकि एजुकेट गर्ल्स 10,00,000 से अधिक अनूठे लाभार्थियों तक पहुंचने में सफल रहा है-यह उपलब्धि इसकी स्थापना के बाद से किसी भी शैक्षणिक वर्ष की अपेक्षा से पहली बार सबसे अधिक है। स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ का यह समारोह, दोहरी खुशियों को ले कर आया है क्योंकि एजुकेट गर्ल्स ने इस वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक क्षेत्र के सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवार्ड - स्कोल अवार्ड को हासिल किया। यह अवार्ड एजुकेट गर्ल्स को ऑक्सफोर्ड, इंग्लैंड में दिया गया।

सुरेश सुब्रमण्यिन, मुख्य परिचालन अधिकारी, एजुकेट गर्ल्स ने इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए बताया कि 8 वर्ष एक लंबा समय होता है। एजुकेट गर्ल्स आज जिस मुकाम पर खड़ा है, उसमें इसकी टीम के कठिन परिश्रम एवं दृढ़ता की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस अवसर पर मैं आप सभी को धन्यवाद देता हूं, विशेषकर अपनी टीम बालिका के सदस्यों को। बालिका शिक्षा के सरोकार में अपने बहुमूल्य समय एवं प्रयास को न्योछावर करने के लिए आप को बहुत-बहुत धन्यवाद।

एजुकेट गर्ल्स का आठवें स्थापना दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

निजी संवाददाता

पाली । एजुकेट गर्ल्स की ओर से आठवें स्थापना दिवस पर मंगलवार को यहां किसान केसरी मैरिज गार्डन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजन के दौरान कार्यक्रम स्थल को इस वर्ष की थीम उड़ान को ध्यान में रख कर डिजाइन किया गया। कार्यक्रम में एजुकेट गर्ल्स की बालिकाओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। इनमें रोल प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की कहानियां शामिल थी। कार्यक्रम सरकारी अधिकारीए पीआई सदस्यए एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी एवं टीम की 330 बालिकाओं सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन मौजूद रहे।

नारी जरूरत पड़ने पर शक्ति रूप भी धारण कर सकती है: एसपी

जालोर. समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुति देती बालिकाएं।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया

भास्कर न्यूज | जालोर

एजुकेट गर्ल्स का आठवां स्थापना दिवस समारोह बुधवार को शंकर वाटिका में समारोहपूर्वक मनाया गया। समारोह में जिला प्रमुख डॉ. बन्ने सिंह गोहिल, सीईओ जवाहर चौधरी व एसपी श्वेता धनकड़ अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों की ओर से मां सरस्वती की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसपी श्वेता धनखड़ ने नारी को नारायणी का दर्जा देते हुए कहा कि नारी को प्राचीन काल से ही सम्मान की नजर से देखा जाता रहा है। लक्ष्मी, सरस्वती व दुर्गा तीनों नारी के ही रुप है। इस अवसर पर डीईओ माध्यमिक जयनारायण द्विवेदी, डीईओ प्रारंभिक सैय्यद अली सैय्यद सहित संस्था से जुड़े पदाधिकारी व प्रतिनिधि उपस्थित थे।

दी आकर्षक प्रस्तुतियां

समारोह में 750 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इस दौरान छात्राओं की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम, रोल-प्ले, उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां पेश की। छात्राओं ने नृत्य के माध्यम से संस्था की थीम 'उड़ान' का भी मनमोहक प्रस्तुतीकरण दिया गया।

संस्था के बारे में दी जानकारी

एजुकेट गर्ल्स के मुख्य परिचालन अधिकारी सुरेश सुब्रमण्यिन ने कहा कि संस्था आज जिस मुकाम पर है, उसमें टीम के सभी सदस्यों के 8 सालों के कठिन परिश्रम एवं दृढ़ता की महत्वपूर्ण भूमिका है।

''उड़ान'' के जरिए बताई अपनी अभी तक की उडान

जालोर। एजुकेट गर्ल्स (एक गैर-सरकारी संगठन जिसने लड़कियों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक रुप से पिछड़े जिलों में सरकार, स्कूल एवं लोक प्रशासकीय निकायों के साथ साझेदारी की है) ने बुधवार को अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए 'शंकर वाटिका' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रमुख डॉ. बन्ने सिंह गोहिल एवं विशिष्टि अतिथि के रूप में जवाहर चौधरी व श्वेता धनकड ने शिरकत की।

एजुकेट गर्ल्स ने टीम बालिकाओं के साथ अपने स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ मनाई

जालोर, राजस्थान। एजुकेट गर्ल्स (एक गैर-सरकारी संगठन जिसने लड़कियों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक रुप से पिछड़े जिलों में सरकार, स्कूल एवं लोक प्रशासकीय निकायों के साथ साझेदारी की है) ने आज अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'शंकर वाटिका' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रमुख डॉ. बन्ने सिंह गोहिल एवं विशिष्टि अतिथि के रूप में श्री जवाहर चौधरी व श्वेता धनकड ने शिरकत की। प्रत्येक वर्ष के समान ही इस वर्ष भी इस समारोह में 75 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 9 लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम "उड़ान" को ध्यान में रख कर चिंतनपरक तरीके से डिजाइन किया गया था। एजुकेट गर्ल्स वर्तमान समय में राजस्थान के 7 जिलों के 46 गाँवों में फैले लगभग 8 स्कूलों में कार्यरत है। 8 वर्ष पूर्व अपने शुभारंभ के समय से इस संगठन ने 1,,, से अधिक बालिकाओं का नामांकन किया। एजुकेट गर्ल्स के कार्यों से अब तक 28,,, से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए हैं।

एजुकेट गर्ल्स ने टीम बालिकाओं (सामुदायिक स्वयंसेवक) के साथ अपने स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ मनाई

जालोर, राजस्थान। एजुकेट गर्ल्स (एक गैर-सरकारी संगठन जिसने लड़कियों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक रुप से पिछड़े जिलों में सरकार, स्कूल एवं लोक प्रशासकीय निकायों के साथ साझेदारी की है) ने आज अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'शंकर वाटिका' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रमुख डॉ. बन्ने सिंह गोहिल एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री जवाहर चौधरी व श्वेता धनकड ने शिरकत की। प्रत्येक वर्ष के समान ही इस वर्ष भी इस समारोह में 750 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 900 लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम ''उड़ान'' को ध्यान में रख कर चिंतनपरक तरीके से डिजाइन किया गया था। एजुकेट गर्ल्स वर्तमान समय में राजस्थान के 7 जिलों के 4600 गाँवों में फैले लगभग 8000 स्कूलों में कार्यरत है। 8 वर्ष पूर्व अपने शुभारंभ के समय से इस संगठन ने 1,00,000 से अधिक बालिकाओं का नामांकन किया। एजुकेट गर्ल्स के कार्यों से अब तक 28,00,000 से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए हैं। यह वर्ष ऐतिहासिक रहा है, क्योंकि एजुकेट गर्ल्स 10,00,000 से अधिक अनूठे लाभार्थियों तक पहुंचने में सफल रहा है-यह उपलब्धि इसकी स्थापना के बाद से किसी भी शैक्षणिक वर्ष की अपेक्षा से पहली बार सबसे अधिक है। स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ का यह समारोह, दोहरी खुशियों को ले कर आया है क्योंकि एजुकेट गर्ल्स ने इस वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक क्षेत्र के सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवार्ड - स्कोल अवार्ड को हासिल किया। यह अवार्ड एजुकेट गर्ल्स को ऑक्सफोर्ड, इंग्लैंड में दिया गाया। सुरेश सुब्रमण्यिन, मुख्य परिचालन अधिकारी, एजुकेट गर्ल्स ने इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि,• ''8 वर्ष एक लंबा समय होता है! एजुकेट गर्ल्स आज जिस मुकाम पर खड़ा हैं, उसमें इसकी टीम के कठिन परिश्रम एवं दृढ़ता की महत्वपूर्ण भूमिका है।

एज्यूकेट गर्ल्स वार्षिक महोत्सव आज

नवज्योति/ जालोर। एजुकेट गर्ल्स के आठवें स्थापना दिवस के अवसर पर वार्षिक महोत्सव आज 9 नवंबर को प्रातः 11.30 बजे शंकर वाटिका में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, रोल प्ले एवं हृदय स्पर्शी कहानियों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी जाएगी। एजुकेट गर्ल्स के मुख्य परिचालन अधिकारी सुब्रमण्यिम की उपस्थित में 370 बालिका टीम द्वारा अपने हुनर को प्रदर्शन किया जाएगा।

एजुकेट गर्ल्स ने मनाई स्थापना की 8वीं वर्षगांठ

नवज्योति/जालोर।

एजुकेट गर्ल्स ने बुधवार को अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए 'शंकर वाटिका' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रमुख डॉ. बन्नेसिंह गोहिल एवं विशिष्टि अतिथि के रूप में जवाहर चौधरी व श्वेता धनकड ने शिरकत की। प्रत्येक वर्ष के समान ही इस वर्ष भी इस समारोह में 750 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 9 सौ लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम ''उड़ान'' को ध्यान में रख कर चिंतनपरक तरीके से डिजाइन किया गया था। एजुकेट गर्ल्स वर्तमान समय में राजस्थान के 7 जिलों के 4600 गाँवों में फैले लगभग 8 हजार स्कूलों में कार्यरत है। 8 वर्ष पूर्व अपने शुभारंभ के समय से इस संगठन ने 1 लाख से अधिक बालिकाओं का नामांकन किया। एजुकेट गर्ल्स के कार्यों से अब तक 28 लाख से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए हैं। यह वर्ष ऐतिहासिक रहा है, क्योंकि एजुकेट गर्ल्स 10 लाख से अधिक अनूठे लाभार्थियों तक पहुंचने में सफल रहा है। यह उपलब्धि इसकी स्थापना के बाद से किसी भी शैक्षणिक वर्ष की अपेक्षा से पहली बार सबसे अधिक है। स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ का यह समारोह, दोहरी खुशियों को ले कर आया है क्योंकि एजुकेट गर्ल्स ने इस वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक क्षेत्र के सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवार्ड स्कोल अवार्ड को हासिल किया। यह अवार्ड एजुकेट गर्ल्स को ऑक्सफोर्ड, इंग्लैंड में दिया गया।

एजुकेट गर्ल्स ने वर्षगांठ मनाई

■ राजस्थान खोज खबर

जालोर। एजुकेट गर्ल्स ने बुधवार को 8 वें स्थापना दिवस की वर्षगाठ का समारोह का आयोजन एक निजी वाटिका में किया। समारोह में मुख्य अतिथि जिला प्रमुख बन्नेसिंह गोहिल एवं विशिष्ठ अतिथि के रूप जालोर पुलिस अधीक्षक श्वेता धनखड़ व जवाहर चौधरी थे। हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी इस समारोह में 75 बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित होकर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों को पेश किया जिसमे संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल प्ले, एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की कहानिया शामिल थी। एजुकेट गर्ल्स वर्तमान समय में राजस्थान के सात जिलो के 4600 गांवो मे फेलें लगभग 8000

एजुकेट गर्ल्स के वर्षगांठ कार्यक्रम में उपस्थित एजुकेट गर्ल्स

स्कूलों में कार्यरत है इस अवसर पर एजुकेट गर्ल्स के मुख्य परिचालन अधिकारी सुरेश सुब्रमण्यिन ने इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि 8 वर्ष एक लम्बा समय होता है। जिससे एजुकेट आज इस मुकाम पर खड़ा है। इसमें कठिन परिश्रम एव दृढता की महत्वपूर्ण भूमिका है। एजुकेट गर्ल्स के सामुदायिक स्वंय सेवकों को टीम बालिका के नाम से पुकारा जाता है। टीम बालिका अपने संबधित गांवों में स्कूल सुधार के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्यरत है।

'एजुकेट गर्ल्स ने दी बालिकाओं को नई उड़ान'

जालोर, (कासं)। एजुकेट गर्ल्स (एक गैर-सरकारी संगठन) ने बुधवार को अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ के लिए 'शंकर वाटिका' जालोर में एक विशाल समारोह का आयोजन किया।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रमुख डॉ. बन्नेसिंह गोहिल एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में जवाहर चौधरी व श्वेता धनकड ने शिरकत की। इस मौके वा एसपी श्वेता धनखड न कहा कि एजुकेट गर्ल्स से बालिकाओं को नई उड़ान दी हैं। जालोर की पुष्पा सागर ने सम्बोधित करते हुए कहा कि एजुकेट गर्ल्स के कारण मुझे नई उड़ान मिली है। एजुकेट गर्ल्स से पहले में शिक्षा से कोसो दूर थी। समारोह में 750 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित होकर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। जानकारी के अनुसार एजुकेट गर्ल्स एक गैर-सरकारी संगठन है, जो समग्रतापूर्वक भारत के शिक्षा तंत्र में लिंग असमानता के प्रमुख कारण के मुद्दों से निपटता है। संगठन की स्थापना 2007 में की गई। एजुकेट गर्ल्स का प्रबंधन एवं आउटरीच कार्यालय मुंबई में है। यह राजस्थान के 7 पिछड़े जिलों में (पाली, जालोर, सिरोही, अजमेर, राजसमंद, बूंदी और भीलवाडा) परिचालन करता है। एजुकेट गर्ल्स द्वारा 4,600 गांवों में 8000 से अधिक स्कूलों में अपने प्रोग्राम क्रियान्वित किये गये है। विगत 8 वर्षों में एक लाख लड़कियों का नामांकन कराया और इनके कार्यों से 28 लाख से अधिक बच्चें लाभान्वित हुये है।

एजुकेट गर्ल्स ने टीम बालिकाओं (सामुदायिक स्वयंसेवक) के साथ अपने स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाई

जालोर (राजस्थान)(एजेंसी)। एजुकेट गर्ल्स (एक गैर-सरकारी संगठन जिसने लड़कियों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक रूप से पिछड़े जिलों में सरकार, स्कूल एवं लोक प्रशासकीय निकायों के साथ साझेदारी की है) ने आज अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'शंकर वाटिका' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रमुख डॉ. [illegible] एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री जवाहर चौधरी व [illegible] ने शिरकत की। प्रत्येक वर्ष के समान ही इस वर्ष भी इस समारोह में 750 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, खेल-गीत एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 900 लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम उड़ान को ध्यान में रख कर चित्तमयक तरीके से डिजाइन किया गया था। एजुकेट गर्ल्स वर्तमान समय में राजस्थान के 7 जिलों के 4600 गाँवों में फैले लगभग 8000 स्कूलों में कार्यरत है। 8 वर्ष पूर्व अपने शुभारंभ के समय से इस संगठन ने 1,00,000 से अधिक बालिकाओं का नामांकन किया। एजुकेट गर्ल्स के कार्यों से अब तक 28,00,000 से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए हैं। यह वर्ष ऐतिहासिक रहा है, क्योंकि एजुकेट गर्ल्स 10,00,000 से अधिक अनूठे लाभार्थियों तक पहुंचने में सफल रहा है-यह उपलब्धि इसकी स्थापना के बाद से किसी भी शैक्षणिक वर्ष की अपेक्षा से पहली बार सबसे अधिक है। स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ का यह समारोह, दोहरी खुशियों को ले कर आया है क्योंकि एजुकेट गर्ल्स ने इस वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक क्षेत्र के सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवार्ड-स्कोल अवार्ड को हासिल किया। यह अवार्ड एजुकेट गर्ल्स को ऑक्सफोर्ड, इंग्लैंड में दिया गया। सुरेश सुब्रमणियम, मुख्य परिचालन अधिकारी, एजुकेट गर्ल्स ने इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि, 8 वर्ष एक लंबा समय होता है! एजुकेट गर्ल्स आज जिस मुकाम पर खड़ा है, उसमें इसकी टीम के कठिन परिश्रम एवं दृढ़ता की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस अवसर पर मैं आप सभी को धन्यवाद देता हूं, विशेषकर अपनी टीम बालिका के सदस्यों को। बालिका शिक्षा के सरोकार में अपने बहुमूल्य समय एवं प्रयास को न्योछावर करने के लिए आप को बहुत-बहुत धन्यवाद। आप ने उन 1,00,000 बालिकाओं को आशा रूपी पंखों से सुसज्जित किया है, जिन्हें आप ने अभी तक नामांकित किया है और आप के इस प्रयास से आने वाले समय में एक बड़ा बदलाव आएगा। मैं आप सभी से यह गुजारिश करता हूं कि आप एजुकेट गर्ल्स को अपना समर्थन देना जारी रखें एवं भारत की प्रत्येक बालिका को शिक्षा प्रदान करने के एजुकेट गर्ल्स विजन को पूर्ण रूप में परिवर्तित करने के लिए कार्य करें।

एजुकेट गर्ल्स ने स्थापना दिवस मनाया

जालोर। राजस्थान के जालोर में एजुकेट गर्ल्स एक गैर-सरकारी संगठन जिसने लड़कियों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक रुप से पिछड़े जिलों में सरकार, स्कूल एवं लोक प्रशासकीय निकायों के साथ साझेदारी की है) ने आज अपने 8 वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए 'शंकर वाटिका' में समारोह का आयोजन किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रमुख डॉ. बन्न सिंह गोहिल एवं विशिष्टि अतिथि जवाहर चौधरी व श्वेता धनकड ने शिरकत की। प्रत्येक वर्ष के समान ही इस वर्ष भी इस समारोह में 750 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया।

स्थापना दिवस पर रंगारंग प्रस्तुतिया

बूंदी | एजुकेट गर्ल्स का आठवां स्थापना दिवस गुरुवार को मनाया गया। कार्यक्रम में विधायक अशोक डोगरा, प्रधान मधु वर्मा अतिथि थे। उड़ान थीम पर समारोह में बूंदी व भीलवाड़ा की बालिका सदस्यों ने भाग लिया। वक्ताओं ने कहा कि एजुकेट गर्ल्स प्रदेश के सात जिलों के 4600 गांवों में अपना काम कर रही है। मुख्य परिचालन अधिकारी सुरेश ने संस्था के उद्देश्य बताए।

एजुकेट गर्ल्स ने मनाया स्थापना दिवस

बूंदी, । एजुकेट गर्ल्स ने आज अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'अलगोजा रिसोर्ट' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। बूंदी के विधायक श्री अशोक डोगरा और बूंदी ब्लॉक की प्रधान श्रीमति मधु वर्मा सहित कई अधिकारी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस वर्ष इस समारोह में बूंदी और भीलवाडा के 1050 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 1300 लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गर्ल्स के बूंदी और भीलवाडा के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम ''उड़ान'' को ध्यान में रख कर चिंतनपरक तरीके से डिजाइन किया गया था। एजुकेट गर्ल्स वर्तमान समय में राजस्थान के 7 जिलों के 4600 गाँवों में फैले लगभग 8000 स्कूलों में कार्यरत है। 8 वर्ष पूर्व अपने शुभारंभ के समय से इस संगठन ने 1,00,000 से अधिक बालिकाओं का नामांकन किया। एजुकेट गर्ल्स के कार्यों से अब तक 28,00,000 से अधिक ब%चे लाभान्वित हुए हैं। यह वर्ष ऐतिहासिक रहा है, क्योंकि एजुकेट गर्ल्स 10,00,000 से अधिक अनूठे लाभार्थियों तक पहुंचने में सफल रहा है-यह उपलब्धि इसकी स्थापना के बाद से किसी भी शैक्षणिक वर्ष की अपेक्षा से पहली बार सबसे अधिक है। स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ का यह समारोह, दोहरी खुशियों को ले कर आया है क्योंकि एजुकेट गर्ल्स ने इस वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक क्षेत्र के सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवार्ड - स्कोल अवार्ड को हासिल किया। यह अवार्ड एजुकेट गर्ल्स को ऑक्सफोर्ड, इंग्लैंड में दिया गाया। सुरेश सुब्रमण्यिन, मुख्य परिचालन अधिकारी, एजुकेट गर्ल्स ने इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि, ''8 वर्ष एक लंबा समय होता है! एजुकेट गर्ल्स आज जिस मुकाम पर खड़ा है, उसमें इसकी टीम के कठिन परिश्रम एवं दृढ़ता की महत्वपूर्ण भूमिका है। 1,00,000 बालिकाओं को आशा रुपी पंखो से सुसfजत किया है, जिन्हें अभी तक नामांकित किया है।''एजुकेट गर्ल्स का लक्ष्य भारत की सभी बालिकाओं का व्यवहारगत, सामाजिक एवं आर्थिक रुपांतरण करना है, जहां पर सभी ब%चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्राप्त करने का समान अवसर उपलब्ध है। इसका लक्ष्य वर्ष 2018 तक भारत के पिछडें समुदाय में निवास करने वाले लगभग 40,00,000 ब%चों तक पहुंचना है।

एजुकेट गर्ल्स ने मनाया स्थापना दिवस

बूंदी, 11 दिसंबर। एजुकेट गर्ल्स ने आज अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'अलगोजा रिसोर्ट' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। बूंदी के विधायक श्री अशोक डोगरा और बूंदी ब्लॉक की प्रधान श्रीमति मधु वर्मा सहित कई अधिकारी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस वर्ष इस समारोह में बूंदी और भीलवाड़ा के 1050 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 1300 लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गर्ल्स के बूंदी और भीलवाड़ा के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम ''उड़ान'' को ध्यान में रख कर चिंतनपरक तरीके से

डिजाइन किया गया था।

एजुकेट गर्ल्स वर्तमान समय में राजस्थान के 7 जिलों के 4600 गाँवों में फैले लगभग 8000 स्कूलों में कार्यरत है। 8 वर्ष पूर्व अपने शुभारंभ के समय से इस संगठन ने 1,00,000 से अधिक बालिकाओं का नामांकन किया। एजुकेट गर्ल्स के कार्यों से अब तक 28,00,000 से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए हैं। यह वर्ष ऐतिहासिक रहा है, क्योंकि एजुकेट गर्ल्स 10,00,000 से अधिक अनूठे लाभार्थियों तक पहुंचने में सफल रहा है-यह उपलब्धि इसकी स्थापना के बाद से किसी भी शैक्षणिक वर्ष की अपेक्षा से पहली बार सबसे अधिक है।

स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ का यह समारोह, दोहरी खुशियों को ले कर आया है क्योंकि एजुकेट गर्ल्स ने इस वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक क्षेत्र के सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवार्ड - स्कोल अवार्ड को हासिल किया। यह अवार्ड एजुकेट गर्ल्स को ऑक्सफोर्ड, इंग्लैंड में दिया गाया।

सुरेश सुब्रमण्यिन, मुख्य परिचालन अधिकारी, एजुकेट गर्ल्स ने इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि, ''8 वर्ष एक लंबा समय होता है! एजुकेट गर्ल्स आज जिस मुकाम पर खड़ा है, उसमें इसकी टीम के कठिन परिश्रम एवं दृढ़ता की महत्वपूर्ण भूमिका है। 1,00,000 बालिकाओं को आशा रुपी पंखो से सुसज्जित किया है, जिन्हें अभी तक नामांकित किया है।''एजुकेट गर्ल्स का लक्ष्य भारत की सभी बालिकाओं का व्यवहारगत, सामाजिक एवं आर्थिक रुपांतरण करना है, जहां पर सभी बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्राप्त करने का समान अवसर उपलब्ध है। इसका लक्ष्य वर्ष 2018 तक भारत के पिछड़े समुदाय में निवास करने वाले लगभग 40,00,000 बच्चों तक पहुंचना है।

एजुकेट गर्ल्स ने टीम बालिकाओं (सामुदायिक स्वयंसेवक) के साथ अपने स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ मनाई

बूंदी के विधायक ने की शिरकत

बूंदी। एजुकेट गर्ल्स (एक गैर-सरकारी संगठन जिसने लड़कियों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक रुप से पिछड़े जिलों में सरकार, स्कूल एवं लोक प्रशासकीय निकायों के साथ साझेदारी की है) ने आज अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'अलगोजा रिसोर्ट में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। बूंदी के विधायक श्री अशोक डोगरा और बूंदी ब्लॉक की प्रधान श्रीमति मधु वर्मा सहित कई अधिकारी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस वर्ष इस समारोह में बूंदी और भीलवाड़ा के 1050 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 1300 लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गर्ल्स के बूंदी और भीलवाड़ा के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम ''उड़ान'' को ध्यान में रख कर चिंतनपरक तरीके से डिजाइन किया गया था।

एजुकेट गर्ल्स वर्तमान समय में राजस्थान के 7 जिलों के 4600 गाँवों में फैले लगभग 8000 स्कूलों में कार्यरत है। 8 वर्ष पूर्व अपने शुभारंभ के समय से इस संगठन ने 1,00,000 से अधिक बालिकाओं का नामांकन किया। एजुकेट गर्ल्स के कार्यों से अब तक 28,00,000 से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए हैं। यह वर्ष ऐतिहासिक रहा है, क्योंकि एजुकेट गर्ल्स 10,00,000 से अधिक अनूठे लाभार्थियों तक पहुंचने में सफल रहा है-यह उपलब्धि इसकी स्थापना के बाद से किसी भी शैक्षणिक वर्ष की अपेक्षा से पहली बार सबसे अधिक है। स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ का यह समारोह, दोहरी खुशियों को ले कर आया है क्योंकि एजुकेट गर्ल्स ने इस वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक क्षेत्र के सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवार्ड - स्कोल अवार्ड को हासिल किया। यह अवार्ड एजुकेट गर्ल्स को ऑक्सफोर्ड, इंग्लैंड में दिया गया।

सुरेश सुब्रमण्यिन, मुख्य परिचालन अधिकारी, एजुकेट गर्ल्स ने इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि, ''8 वर्ष एक लंबा समय होता है। एजुकेट गर्ल्स आज जिस मुकाम पर खड़ा है, उसमें इसकी टीम के कठिन परिश्रम एवं दृढ़ता की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस अवसर पर मैं आप सभी को धन्यवाद देता हूं, विशेषकर अपनी टीम बालिका के सदस्यों को। बालिका शिक्षा के सरोकार में अपने बहुमूल्य समय एवं प्रयास को न्योछावर करने के लिए आप को बहुत-बहुत धन्यवाद। आप ने उन 1,00,000 बालिकाओं को आशा रुपी पंखो से सुसज्जित किया है, जिन्हें आप ने अभी तक नामांकित किया है और आप के इस प्रयास से आने वाले समय में एक बड़ा बदलाव आएगा। मैं आप सभी से यह गुजारिश करता हूं कि आप एजुकेट गर्ल्स कोअपना समर्थन देना जारी रखें एवं भारत की प्रत्येक बालिका को शिक्षा प्रदान करने के एजुकेट गर्ल्स विज़न को मूर्त रुप में परिवर्तित करने के लिए कार्य करें।'' एजुकेट गर्ल्स का लक्ष्य भारत की सभी बालिकाओं का व्यवहारगत, सामाजिक एवं आर्थिक रुपांतरण करना है, जहां पर सभी बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्राप्त करने का समान अवसर उपलब्ध है। इसका लक्ष्य वर्ष 2018 तक भारत के पिछड़े समुदाय में निवास करने वाले लगभग 40,00,000 बच्चों तक पहुंचना है।

एजुकेट गर्ल्स ने टीम बालिकाओं के साथ मनाई 8वीं वर्षगांठ

न्यूज सर्विस/नवज्योति, बूंदी।

एजुकेट गर्ल्स (एक गैर-सरकारी संगठन जिसने लड़कियों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक रुप से पिछड़े जिलों में सरकार, स्कूल एवं लोक प्रशासकीय निकायों के साथ साझेदारी की है) ने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज अलगोजा रिसोर्ट में एक समारोह का आयोजन किया।

विधायक अशोक डोगरा और बूंदी प्रधान मधु वर्मा सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। बूंदी और भीलवाडा के 1050 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित होकर संकल्प का प्रदर्शन किया। संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गर्ल्स के बूंदी और भीलवाडा के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम उड़ान को ध्यान में रख कर चिंतनपरक तरीके से डिजाइन किया गया था।

8वीं वर्षगांठ पर अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट करते संस्था पदाधिकारी।

एजुकेट गर्ल्स ने मनाई स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ, विधायक ने की शिरकत

बूंदी, 10 दिसम्बर (कांस.)। एजुकेट गर्ल्स (एक गैर-सरकारी संगठन जिसने लड़कियों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक रुप से पिछड़े जिलों में सरकार, स्कूल एवं लोक प्रशासकीय निकायों के साथ साझेदारी की है) ने आज अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'अलगोजा रिसोर्ट' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। बूंदी के विधायकअशोक डोगरा और बूंदी ब्लॉक की प्रधान मधु वर्मा सहित कई अधिकारी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस वर्ष इस समारोह में बूंदी और भीलवाड़ा के 1050 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 1300 लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गर्ल्स के बूंदी और भीलवाड़ा के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम "उड़ान" को ध्यान में रख कर चिंतनपरक तरीके से डिजाइन किया गया था। एजुकेट गर्ल्स वर्तमान समय में राजस्थान के 7 जिलों के 4600 गाँवों में फैले लगभग 8000 स्कूलों में कार्यरत है। 8 वर्ष पूर्व अपने शुभारंभ के समय से इस संगठन ने 1,00,000 से अधिक बालिकाओं का नामांकन किया। एजुकेट गर्ल्स के कार्यों से अब तक 28,00,000 से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए हैं। यह वर्ष ऐतिहासिक रहा है, क्योंकि एजुकेट गर्ल्स 10,00,000 से अधिक अनूठे लाभार्थियों तक पहुंचने में सफल रहा है-यह उपलब्धि इसकी स्थापना के बाद से किसी भी शैक्षणिक वर्ष की अपेक्षा से पहली बार सबसे अधिक है।

एजुकेट गर्ल्स में रंगारंग प्रस्तुति

बूंदी

एजुकेट गर्ल्स (एक गैर-सरकारी संगठन जिसने लड़कियों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक रूप से पिछड़े जिलों में सरकार,स्कूल एवं लोक प्रशासकीय निकायों के साथ साझेदारी की है) ने गुरूवार को शहर के अलगोजा रिसोर्ट मे 8वें स्थापना दिवस पर समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम मे विधायक ओक डोगरा व बूंदी प्रधान मधु वर्मा सहित कई लोग शामिल हुए। समारोह में बूंदी औरभीलवाडा के 1050 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित होकर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया,जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां,रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों

की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। कार्यक्रम मे इस वर्ष के थीम ''उड़ान को ध्यान में रख कर चिंतनपरक तरीके से डिजाइन किया गया था। एजुकेट गर्ल्स ने इस वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक क्षेत्र के सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवार्ड स्कोल अवार्ड को हासिल किया। यह अवार्ड एजुकेट गर्ल्स को ऑक्सफोर्ड, इंग्लैंड में दिया गाया। कार्यक्रम अधिकारी सुरेश सुब्रमण्यिन ने इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि, ''8 वर्ष एक लंबा समय होता है! एजुकेट गर्ल्स आज जिस मुकाम पर खड़ा है, उसमें इसकी टीम के कठिन परिश्रम एवं दृढ़ता की महत्वपूर्ण भूमिका है।

एजुकेट गर्ल्स ने मनाया स्थापना दिवस

बूंदी, 11 दिसंबर। एजुकेट गर्ल्स ने आज अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'अलगोजा रिसोर्ट' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। बूंदी के विधायक अशोक डोगरा और बूंदी ब्लॉक की प्रधान श्रीमती मधु वर्मा सहित कई अधिकारी इस कार्यक्रम में षामिल हुए। इस वर्ष इस समारोह में बूंदी और भीलवाडा के 1050 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 1300 लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गर्ल्स के बूंदी और भीलवाडा के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम ''उड़ान'' को ध्यान में रख कर चिंतनपरक तरीके से डिजाइन किया गया था।

आत्महत्या करने वाले छात्र-छात्राओं की शांति के लिए हवन किया

एजुकेट गर्ल्स ने मनाया स्थापना दिवस

बूंदी, 11 दिसंबर। एजुकेट गर्ल्स ने आज अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'अलगोजा रिसोर्ट' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। बूंदी के विधायक अशोक डोगरा और बूंदी ब्लॉक की प्रधान श्रीमती मधु वर्मा सहित कई अधिकारी इस कार्यक्रम में षामिल हुए। इस वर्ष इस समारोह में बूंदी और भीलवाडा के 1050 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 1300 लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गर्ल्स के बूंदी और भीलवाडा के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम ''उड़ान'' को ध्यान में रख कर चिंतनपरक तरीके से डिजाइन किया गया था।

आत्महत्या करने वाले छात्र-छात्राओं की शांति के लिए हवन किया

एजुकेट गर्ल्स ने मनाया स्थापना दिवस

बूंदी, 12 दिसंबर। एजुकेट गर्ल्स ने आज अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'अलगोजा रिसोर्ट' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। बूंदी के विधायक अशोक डोगरा और बूंदी ब्लॉक की प्रधान श्रीमति मधु वर्मा सहित कई अधिकारी इस कार्यक्रम में षामिल हुए। इस वर्ष इस समारोह में बूंदी और भीलवाडा के 1050 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 1300 लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गर्ल्स के बूंदी और भीलवाडा के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम ''उड़ान'' को ध्यान में रख कर चिंतनपरक तरीके से डिजाइन किया गया था।

एजुकेट गर्ल्स वर्तमान समय में राजस्थान के 7 जिलों के 4600 गाँवों में फैले लगभग 8000 स्कूलों में कार्यरत है। 8 वर्ष पूर्व अपने शुभारंभ के समय से इस संगठन ने 1,00,000 से अधिक बालिकाओं का नामांकन किया। एजुकेट गर्ल्स के कार्यों से अब तक 28,00,000 से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए हैं। यह वर्ष ऐतिहासिक रहा है, क्योंकि एजुकेट गर्ल्स 10,00,000 से अधिक अनूठे लाभार्थियों तक पहुंचने में सफल रहा है-यह उपलब्धि इसकी स्थापना के बाद से किसी भी शैक्षणिक वर्ष की अपेक्षा से पहली बार सबसे अधिक है। स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ का यह समारोह, दोहरी खुशियों को ले कर आया है क्योंकि एजुकेट गर्ल्स ने इस वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक क्षेत्र के सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवार्ड - स्कोल अवार्ड को हासिल किया। यह अवार्ड एजुकेट गर्ल्स को ऑक्सफोर्ड, इंग्लैंड में दिया गाया। सुरेश सुब्रमण्यिन, मुख्य परिचालन अधिकारी, एजुकेट गर्ल्स ने इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि, ''8 वर्ष एक लंबा समय होता है! एजुकेट गर्ल्स आज जिस मुकाम पर खड़ा है, उसमें इसकी टीम के कठिन परिश्रम एवं दृढ़ता की महत्वपूर्ण भूमिका है।

1,00,000 बालिकाओं को आशा रुपी पंखो से सुसज्जित किया है, जिन्हें अभी तक नामांकित किया है।''

एजुकेट गर्ल्स का लक्ष्य भारत की सभी बालिकाओं का व्यवहारगत, सामाजिक एवं आर्थिक रुपांतरण करना है, जहां पर सभी बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्राप्त करने का समान अवसर उपलब्ध है। इसका लक्ष्य वर्ष 2018 तक भारत के पिछडें समुदाय में निवास करने वाले लगभग 40,00,000 बच्चों तक पहुंचना है।

नगर निगम ने निराश्रित लोगों के रात्रि विश्राम के लिए शहर में 10 रैन बसेरे प्रारम्भ किये

कोटा, 12 दिसम्बर। नगर निगम द्वारासर्दी से बचाव हेतु शहर में रह रहे निराश्रित लोगों के रात्रि विश्राम के लिए10 रैन बसेरे विभिन्न स्थानों पर प्रारम्भ कर दिये गये है। इनमें 7 स्थाई व 3 अस्थाई रैन बसेरे है।सभी रैन बसेरों में रोशनी, पानी, एवं बिस्तर में गद्दे-रजाई आदि की माकूल व्यवस्था की गई है।

नगर निगम के उपायुक्त अशोक त्यागी ने बताया किये रैन बसेरेडीसीएम फ्लाई ओवर नया बस स्टेण्ड के पास, जे.के. लोन अस्पताल के प्रांगण में, एम.बी.एस. हॉस्पीटल के प्रांगण में, नयापुरा बस स्टेण्ड पर, रामपुरा हिन्दु धर्मशाला में, हिरण बाजार चन्द्रघटा स्थितडॉ. जाकिर हुसैन सामुदायिक भवन में, किशोरपुरा में तुलसी माता मन्दिर के पास, भीमगंज मण्डी के सेक्टर कार्यालय में, सुरजपोल में राष्ट्रदूत कार्यालय के सामने स्थित सेक्टर कार्यालय में तथा कोटड़ी में नाग-नागिन मन्दिर के पास लगाये गये है। कोई भी निराश्रित व्यक्ति इन रैन बसेरों में रात्रि विश्राम कर सकता है।

एजुकेट गर्ल्स ने टीम बालिकाओं (सामुदायिक स्वयंसेवक) के साथ अपने स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ मनाई

बूंदी के विधायक ने की शिरकत

बूंदी। एजुकेट गर्ल्स (एक गैर-सरकारी संगठन जिसने लड़कियों की शिक्षा के लिए तैक्षणिक रुप से पिछड़े जिलों में सरकार, स्कूल एवं लोक प्रशासकीय निकायों के साथ साझेदारी की है) ने आज अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'अलगोजा रिसोर्ट में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। बूंदी के विधायक श्री अशोक डोगरा और बूंदी ब्लॉक की प्रधान श्रीमति मधु वर्मा सहित कई अधिकारी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस वर्ष इस समारोह में बूंदी और भीलवाड़ा के 1050 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारम्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 1300 लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गर्ल्स के बूंदी और भीलवाड़ा के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम "उड़ान" को ध्यान में रख कर चिंतनपरक तरीके से डिजाइन किया गया था।

एजुकेट गर्ल्स वर्तमान समय में राजस्थान के 7 जिलों के 4600 गाँवों में फैले लगभग 8000 स्कूलों में कार्यरत है। 8 वर्ष पूर्व अपने शुभारंभ के समय से इस संगठन ने 1,00,000 से अधिक बालिकाओं का नामांकन किया। एजुकेट गर्ल्स के कार्यों से अब तक 28,00,000 से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए हैं। यह वर्ष ऐतिहासिक रहा है, क्योंकि एजुकेट गर्ल्स 10,00,000 से अधिक अनूठे लाभार्थियों तक पहुंचने में सफल रहा है-यह उपलब्धि इसकी स्थापना के बाद से किसी भी वैक्षणिक वर्ष की अपेक्षा से पहली चार सबसे अधिक है। स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ का यह समारोह, दोहरी खुशियों को ले कर आया है क्योंकि एजुकेट गर्ल्स ने इस वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक क्षेत्र के सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवार्ड - स्कोल अवार्ड को हासिल किया। यह अवार्ड एजुकेट गर्ल्स को ऑक्सफोर्ड, इंग्लैंड में दिया गया।

सुरेश सुब्रमणियन, मुख्य परिचालन अधिकारी, एजुकेट गर्ल्स ने इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि, "8 वर्ष एक लंबा समय होता है। एजुकेट गर्ल्स आज जिस मुकाम पर खड़ा है, उसमें इसकी टीम के कठिन परिश्रम एवं दृढ़ता की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस अवसर पर मैं आप सभी को धन्यवाद देता हूं, विशेषकर अपनी टीम बालिका के सदस्यों को। बालिका शिक्षा के सरोकार में अपने बहुमूल्य समय एवं प्रयास को न्योछावर करने के लिए आप को बहुत-बहुत धन्यवाद। आप ने उन 1,00,000 बालिकाओं को आशा रुपी पंखो से सुसज्जित किया है, जिन्हें आप ने अभी तक नामांकित किया है और आप के इस प्रयास से आने वाले समय में एक बड़ा बदलाव आएगा। मैं आप सभी से यह गुजारिश करता हूं कि आप एजुकेट गर्ल्स को अपना समर्थन देना जारी रखें एवं भारत की प्रत्येक बालिका को शिक्षा प्रदान करने के एजुकेट गर्ल्स विजन को मूर्त रुप में परिवर्तित करने के लिए कार्य करें।" एजुकेट गर्ल्स का लक्ष्य भारत की सभी बालिकाओं का व्यवहारगत, सामाजिक एवं आर्थिक रुपांतरण करना है, जहां पर सभी बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्राप्त करने का समान अवसर उपलब्ध है। इसका लक्ष्य वर्ष 2018 तक भारत के पिछड़े समुदाय में निवास करने वाले लगभग 40,00,000 बच्चों तक पहुंचना है।

'एजुकेट गर्ल्स' ने मनाया स्थापना दिवस

8वें स्थापना दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देती 'एजुकेट गर्ल्स'।

कोटा, (कासं): एजुकेट गर्ल्स ने आज अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'अलगोजा रिसोर्ट' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। बूंदी के विधायक श्री अशोक डोगरा और बूंदी ब्लॉक की प्रधान श्रीमति मधु वर्मा सहित कई अधिकारी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस वर्ष इस समारोह में बूंदी और भीलवाड़ा के 1050 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 1300 लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पीआरआई सदस्य, एजुकेट गर्ल्स के बूंदी और भीलवाड़ा के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम 'उड़ान' को ध्यान में रख कर चिंतनपरक तरीके से डिजाइन किया गया था।एजुकेट गर्ल्स वर्तमान समय में राजस्थान के 7 जिलों के 4600 गांवों में फैले लगभग 8000 स्कूलों में कार्यरत है। 8 वर्ष पूर्व अपने शुभारंभ के समय से इस संगठन ने 1,00,000 से अधिक बालिकाओं का नामांकन किया।

एजुकेट गर्ल्स के कार्यों से अब तक 28,00,000 से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए हैं। यह वर्ष ऐतिहासिक रहा है, क्योंकि एजुकेट गर्ल्स 10,00,000 से अधिक अनूठे लाभार्थियों तक पहुंचने में सफल रहा है-यह उपलब्धि इसकी स्थापना के बाद से किसी भी शैक्षणिक वर्ष की अपेक्षा से पहली बार सबसे अधिक है। स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ का यह समारोह, दोहरी खुशियों को ले कर आया है क्योंकि एजुकेट गर्ल्स ने इस वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक क्षेत्र के सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवार्ड -स्कोल अवार्ड को हासिल किया। यह अवार्ड एजुकेट गर्ल्स को ऑक्सफोर्ड, इंग्लैंड में दिया गाया।सुरेश सुब्रमण्यिन, मुख्य परिचालन अधिकारी, एजुकेट गर्ल्स ने इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि, '8 वर्ष एक लंबा समय होता है! एजुकेट गर्ल्स आज जिस मुकाम पर खड़ा है, उसमें इसकी टीम के कठिन परिश्रम एवं दृढ़ता की महत्वपूर्ण भूमिका है। 1,00,000 बालिकाओं को आशा रुपी पंखो से सुसज्जित किया है।

प्रस्तुतियों से दिए संदेश

सामाजिक संस्था एजुकेट गर्ल्स का आठवां वार्षिक उत्सव

1050 टीम बालिका सदस्यों ने भाग लिया

बूंदी @ पत्रिका

patrika.com

शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रही सामाजिक संस्था एजुकेट गर्ल्स का गुरुवार को शहर के नैनवां रोड स्थित एक होटल में आठवां वार्षिक उत्सव आयोजित हुआ। समारोह में टीम बालिका सदस्यों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। उन्होंने बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने और भ्रूण हत्या पर रोक का संदेश देने वाले नाटक का मंचन किया।

समारोह में मुख्य अतिथि बूंदी विधायक अशोक डोगरा ने बालिकाओं के नामांकन बढ़ाने में किए सहयोग के लिए संस्था के स्वयं सेवकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि बेटियां पढ़ेगी तो पूरा परिवार शिक्षित बनेगा। समारोह में बूंदी प्रधान मधु वर्मा, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी ऋषिराज शर्मा, शिक्षाविद् हमीद उल हक बतौर अतिथि मौजूद थे।

बूंदी के नैनवां रोड स्थित एक निजी रिसोर्ट में गर्ल्स एजुकेट संस्था की ओर से आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित विधायक अशोक डोगरा व अन्य तथा कार्यक्रम में प्रस्तुति देती टीम बालिका सदस्य। (इनसेट में)

समारोह में बूंदी और भीलवाड़ा के 1050 टीम बालिका सदस्यों ने भाग लिया। आयोजन स्थल को इस वर्ष की थीम 'उड़ान' को ध्यान में रखकर चिंतनपरक तरीके से डिजाइन किया गया। समारोह में बताया गया कि 13 हजार 374 बालिकाएं इस वर्ष स्कूल से जोड़ी गई। समारोह में संगठन के सीईओ सुरेश सुब्रमण्यम्, जिला प्रबन्धक नवल किशोर सोनी, जिला कार्यक्रम प्रभारी मनोज गौड़ मौजूद थे। संचालन मनीषा टांक ने किया।

एजुकेट गर्ल्स ने मनाया स्थापना दिवस

बूंदी, 11 दिसंबर। एजुकेट गर्ल्स ने आज अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'अलगोजा रिसोर्ट' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। बूंदी के विधायक श्री अशोक डोगरा और बूंदी ब्लॉक की प्रधान श्रीमति मधु वर्मा सहित कई अधिकारी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस वर्ष इस समारोह में बूंदी और भीलवाड़ा के 1050 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया।

इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 1300 लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गर्ल्स के बूंदी और भीलवाड़ा के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम "उड़ान" को ध्यान में रख कर चिंतनपरक तरीके से डिजाइन किया गया था।

एजुकेट गर्ल्स वर्तमान समय में राजस्थान के 7 जिलों के 4600 गाँवों में फैले लगभग 8000 स्कूलों में कार्यरत है। 8 वर्ष पूर्व अपने शुभारंभ के समय से इस संगठन ने 1,00,000 से अधिक बालिकाओं का नामांकन किया। एजुकेट गर्ल्स के कार्यों से अब तक 28,00,000 से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए हैं। यह वर्ष ऐतिहासिक रहा है, क्योंकि एजुकेट गर्ल्स 10,00,000 से अधिक अनूठे लाभार्थियों तक पहुंचने में सफल रहा है-यह उपलब्धि इसकी स्थापना के बाद से किसी भी शैक्षणिक वर्ष की अपेक्षा से पहली बार सबसे अधिक है।

स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ का यह समारोह, दोहरी खुशियों को ले कर आया है क्योंकि एजुकेट गर्ल्स ने इस वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक क्षेत्र के सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवार्ड - स्कोल अवार्ड को हासिल किया। यह अवार्ड एजुकेट गर्ल्स को ऑक्सफोर्ड, इंग्लैंड में दिया गया।

संधान

एजुकेट गर्ल्स ने मनाया स्थापना दिवस

बूंदी, 11 दिसंबर। एजुकेट गर्ल्स ने आज अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए आज 'अलगोजा रिसोर्ट' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। बूंदी के विधायक श्री अशोक डोगरा और बूंदी ब्लॉक की प्रधान श्रीमति मधु वर्मा सहित कई अधिकारी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस वर्ष इस समारोह में बूंदी और भीलवाड़ा के 1050 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया।

इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 1300 लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गर्ल्स के बूंदी और भीलवाड़ा के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम "उड़ान" को ध्यान में रख कर चिंतनपरक तरीके से डिजाइन किया गया था।

एजुकेट गर्ल्स वर्तमान समय में राजस्थान के 7 जिलों के 4600 गाँवों में फैले लगभग 8000 स्कूलों में कार्यरत है। 8 वर्ष पूर्व अपने शुभारंभ के समय से इस संगठन ने 1,00,000 से अधिक बालिकाओं का नामांकन किया। एजुकेट गर्ल्स के कार्यों से अब तक 28,00,000 से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए हैं। यह वर्ष ऐतिहासिक रहा है, क्योंकि एजुकेट गर्ल्स 10,00,000 से अधिक अनूठे लाभार्थियों तक पहुंचने में सफल रहा है-यह उपलब्धि इसकी स्थापना के बाद से किसी भी शैक्षणिक वर्ष की अपेक्षा से पहली बार सबसे अधिक है।

स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ का यह समारोह, दोहरी खुशियों को ले कर आया है क्योंकि एजुकेट गर्ल्स ने इस वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक क्षेत्र के सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवार्ड - स्कोल अवार्ड को हासिल किया। यह अवार्ड एजुकेट गर्ल्स को ऑक्सफोर्ड, इंग्लैंड में दिया गया।

संधान

एजुकेट गर्ल्स टीम ने 8वीं वर्षगांठ मनाई

अजमेर|गैर-सरकारी संगठन. एजुकेट गर्ल्स के 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाने के लिए पदमिनी हेरिटेज रिसोर्ट में समारोह आयोजित किया गया। समारोह में 1200 टीम बालिका सदस्यों ने विशेष दिवस पर प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित होकर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर 1300 लोग मौजूद थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पीआरआई सदस्य, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थें। आयोजन स्थल को इस वर्ष की थीम उड़ान को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया। एजुकेट गर्ल्स से राजस्थान के 7 जिलों के 4600 गांवों में फैले लगभग आठ हजार स्कूल जुड़े हैं। सुरेश सुब्रमण्यिन मुख्य परिचालन अधिकारी ने बताया कि 8 वर्ष लंबा समय होता है। एजुकेट गर्ल्स आज जिस मुकाम पर है, उसमें टीम के परिश्रम की महत्वपूर्ण भूमिका है।

स्थापना समारोह में प्रस्तुति देती छात्राएं -नवीन सोनवाल

शिक्षा के साथ बच्चों में संस्कार भी विकसित करें

एजूकेट गर्ल्स का स्थापना उत्सव

काली/नवज्योति, अजमेर

शिक्षा राज्य मंत्री वासुदेव देवनानी ने कहा कि बच्चों में शिक्षा के साथ ही संस्कारों का विकास भी आवश्यक है। प्रदेश में शिक्षा के प्रति नई लहर विकसित हुई है। राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में राज्य को शिखर पर ले जाने की दिशा में कार्य कर रही है। इस महत्वपूर्ण कार्य में आमजन के साथ ही गैर सरकारी संगठनों का भी सक्रिय सहयोग आवश्यक है।

प्रो. देवनानी शुक्रवार को पद्मिनी रिसोर्ट में गैर सरकारी संस्था एजूकेट गर्ल्स के स्थापना दिवस समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में शिक्षा के प्रति एक नई लहर पैदा हुई है। राज्य सरकार के प्रयासों से प्रदेश में इस साल 9 लाख नए नामांकन हुए हैं। सरकार शिक्षा के उन्नयन के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है।

प्रो. देवनानी ने कहा कि विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश में बोर्ड परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन करने वाले करीब 43 हजार विद्यार्थियों को 13 दिसम्बर से पूर्व लैपटॉप वितरित किए जाएंगे। प्रदेश में नवीं कक्षा की 5.25 लाख बालिकाओं को साइकिल वितरित की गई है, जो छात्राएं 5 किलोमीटर से अधिक दूरी से आती हैं उनके लिए ट्रांसपोर्ट वाउचर की व्यवस्था की गई है। उन्हें प्रतिदिन 20 रुपए का ट्रांसपोर्ट वाउचर दिया जा रहा है। प्रदेश में शिक्षा विकास के लिए शिक्षा से जुड़े विभिन्न नवाचार भी किए गए हैं। प्रदेश में ग्राम पंचायत मुख्यालय पर अब कक्षा एक से 12 तक की पढ़ाई एक ही स्कूल में होगी। देवनानी ने बालिकाओं का आह्वान किया कि वे पढ़ें, आगे बढ़ें और देश-प्रदेश और समाज का नाम आगे बढ़ाएं।

उन्होंने कहा कि स्कूलों में पढ़ाई सुनिश्चित करने के लिए शिक्षकों को भी समय पर आकर बच्चों को प्रेरित करना होगा। विद्यार्थी भी समय प्रबंधन का महत्व समझकर पूरे मनोयोग से पढ़ाई करें। इस अवसर पर महापौर धर्मेन्द्र गहलोत ने कहा कि एक बालिका पढ़ती है, तो उससे दो परिवार शिक्षित होते हैं। अजमेर साक्षरता के क्षेत्र में अग्रणी जिला रहा है। हम बालिका शिक्षा के क्षेत्र में भी नई मिसाल कायम करें। हमें सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हुए अपने लक्ष्य की ओर बढ़ना होगा। पीसांगन के प्रधान दिलीप पचार ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर संस्था के सदस्यों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी, जिसे दर्शकों ने सराहा।

वासुदेव देवनानी ने एन.जी.ओ. एज्युकेट गर्ल्स के स्थापना दिवस कार्यक्रम में की शिरकत

बालको में संस्कार विकसित करें गुरू

अजमेर

जिले के प्रभारी एवं शिक्षा राज्य मंत्री प्रो. वासुदेव देवनानी ने कहा कि बच्चों में शिक्षा के साथ ही संस्कारों का विकास भी आवश्यक है। प्रदेश में शिक्षा के प्रति नई लहर विकसित हुई है। राज्य सरकार प्रदेश को शिक्षा के क्षेत्र में शिखर पर ले जाने की दिशा में कार्य कर रही है। इस महत्वपूर्ण कार्य में आमजन के साथ ही गैर सरकारी संगठनों का भी सक्रिय सहयोग आवश्यक है।

शिक्षा राज्य मंत्री प्रो. देवनानी ने शुक्रवार को हरदेव स्थित एक रिसोर्ट में गैर सरकारी संस्था एजुकेट गर्ल्स के स्थापना दिवस समारोह को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में शिक्षा के प्रति एक नई लहर पैदा हुई है। राज्य सरकार के प्रयासों से प्रदेश में इस साल 9 लाख नए नामांकन हुए है। सरकार शिक्षा के उन्नयन के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है।

प्रो. देवनानी ने कहा कि विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश में बोर्ड परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन करने वाले करीब 43 हजार विद्यार्थियों को 13 दिसम्बर से पूर्व लैपटॉप वितरित किए जाएंगे। प्रदेश में नवीं कक्षा की 5.25 लाख बालिकाओं को साईकिलें वितरित की गई है। जो छात्राएं 5 किलो मीटर से अधिक दूरी से आती है उनके लिए ट्रांसपोर्ट वाउचर की व्यवस्था की गई है। उन्हें प्रतिदिन 20 रूपए ट्रांसपोर्ट वाउचर दिया जा रहा है। प्रदेश में शिक्षा विकास के लिए शिक्षा में जुड़े विभिन्न संस्थान भी किए गए है। प्रदेश में ग्राम पंचायत मुख्यालय पर अब कक्षा एक से 12 तक की पढ़ाई एक ही स्कूल में होगी। प्रो. देवनानी ने बालिकाओं का आव्हान किया कि वे पढ़े, आगे बढ़े और देश प्रदेश और समाज का नाम आगे बढ़ाए। प्रदेश के विद्यार्थियों को अगले शिक्षण सत्र में भारत के गौरव रहे नायकों का पाठ्यक्रम पढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्कूलों में पढ़ाई सुनिश्चित करने के लिए शिक्षकों को भी समय पर आकर बच्चों को प्रेरित करना होगा। विद्यार्थी भी समय प्रबन्धन का महत्व समझकर पूरे मनोयोग से पढ़ाई करें। प्रो. देवनानी ने कहा कि निःशुल्क पुस्तकों, आठवीं तक के विद्यार्थियों को मिड डे मील भी दिया जा रहा है।

एक लाख बालिकाओं ने किया नामांकन

अजमेर। आठ वर्ष एक लंबा समय होता है! एजुकेट गर्ल्स आज जिस मुकाम पर खड़ा है, उसमें इसकी टीम के कठिन परिश्रम एवं दृढ़ता की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह कहना है गैर सरकारी संगठन एजुकेट गर्ल्स के मुख्य परिचालन अधिकारी सुरेश सुब्रमण्यिन का।उन्होंने बताया कि एजुकेट गर्ल्स वर्तमान समय में राजस्थान के 7 जिलों के 4600 गाँवों में फैले लगभग 8000 स्कूलों में कार्यरत है। 8 वर्ष पूर्व अपने शुभारंभ के समय से इस संगठन ने 1,00,000 से अधिक बालिकाओं का नामांकन किया। एजुकेट गर्ल्स के कार्यों से अब तक 28,00,000 से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए हैं। यह वर्ष ऐतिहासिक रहा है, क्योंकि एजुकेट गर्ल्स 10,00,000 से अधिक अनूठे लाभार्थियों तक पहुंचने में सफल रहा है-यह उपलब्धि इसकी स्थापना के बाद से किसी भी शैक्षणिक वर्ष की अपेक्षा से पहली बार सबसे अधिक है। उन्होंने बताया कि एजुकेट गर्ल्स का लक्ष्य भारत की सभी बालिकाओं का व्यवहारगत, सामाजिक एवं आर्थिक रुपांतरण करना है, जहां पर सभी बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्राप्त करने का समान अवसर उपलब्ध है। इसका लक्ष्य वर्ष 2018 तक भारत के पिछड़े समुदाय में निवास करने वाले लगभग 40,00,000 बच्चों तक पहुंचना है। गौरतलब है कि एजूकेट गर्ल्स ने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए 'पदमिनी हेरिटेज रिसोर्ट' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षा राज्य

मन्त्री प्रो. वासुदेव देवनानी ने शिरकत की। प्रत्येक वर्ष के समान ही इस वर्ष भी इस समारोह में 1200 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 1300 लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे। इस पूरे स्थल को इस वर्ष के थीम "उड़ान" को ध्यान में रख कर चिंतनपरक तरीके से डिजाइन किया गया था।

बच्चों में शिक्षा के साथ ही संस्कार भी विकसित करें शिक्षक- प्रो. देवनानी

प्रभारी मंत्री ने एन.जी.ओ. एज्युकेट गर्ल्स के स्थापना दिवस कार्यक्रम में की शिरकत

अजमेर, 11 दिसम्बर। जिले के प्रभारी एवं शिक्षा राज्य मंत्री प्रो. वासुदेव देवनानी ने कहा कि बच्चों में शिक्षा के साथ ही संस्कारों का विकास भी आवश्यक है। प्रदेश में शिक्षा के प्रति नई लहर विकसित हुई है। राज्य सरकार प्रदेश को शिक्षा के क्षेत्र में शिखर पर ले जाने की दिशा में कार्य कर रही है। इस महत्वपूर्ण कार्य में अध्यजन के साथ ही गैर सरकारी संगठनों का भी सक्रिय सहयोग आवश्यक है। शिक्षा राज्य मंत्री प्रो. देवनानी ने आज हट्टूंडी स्थित एक रिसोर्ट में गैर सरकारी संस्था एजुकेट गर्ल्स के स्थापना दिवस समारोह को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में शिक्षा के प्रति एक नई लहर पैदा हुई है। राज्य सरकार के प्रयासों से प्रदेश में इस साल 9 लाख नए नामांकन हुए है। सरकार शिक्षा के उन्नयन के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है।

प्रो. देवनानी ने कहा कि विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश में बोर्ड परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन करने वाले करीब 43 हजार विद्यार्थियों को 13 दिसम्बर से पूर्व लैपटॉप वितरित किए जाएंगे। प्रदेश में नवीं कक्षा की 5.25 लाख बालिकाओं को साईकिल वितरित की गई है। जो छात्राएं 5 किलो मीटर से अधिक दूरी से आती है उनके लिए ट्रांसपोर्ट वाउचर की व्यवस्था की गई हैं। उन्हें प्रतिदिन 20 रूपए ट्रांसपोर्ट वाउचर दिया जा रहा है। प्रदेश में शिक्षा विकास के लिए शिक्षा से जुड़े विभिन्न नवाचार भी किए गए है। प्रदेश में ग्राम पंचायत मुख्यालय पर अब कक्षा एक से 12 तक की पढ़ाई एक ही स्कूल में होगी। प्रो. देवनानी ने बालिकाओं का आव्हान किया कि वे पढ़े, आगे बढ़े और देश-प्रदेश और समाज का नाम आगे बढ़ाए। प्रदेश के विद्यार्थियों को अगले शिक्षण सत्र से भारत के गौरव रहे गायकों का पाठ्यक्रम पढ़ाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि स्कूलों में पढ़ाई सुनिश्चित करने के लिए शिक्षकों को भी समय पर आकर बच्चों को प्रेरित करना होगा। विद्यार्थी भी समय प्रबंधन का महत्व समझकर पूरे मनोयोग से पढ़ाई करें। प्रो. देवनानी ने कहा कि निशुल्क पुस्तकों, आठवीं तक के विद्यार्थियों को मिड डे मील भी दिया जा रहा है।

राज्य सरकार के इन प्रयासों में अध्यजन एवं गैर सरकारी संगठन भी सक्रिय सहयोग करें। हम यह संकल्प लें कि प्रदेश का कोई बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहे। महापौर श्री धर्मेन्द्र गहलोत ने कहा कि एक बालिका पढ़ती है तो उससे दो परिवार शिक्षित होते है। अजमेर साक्षरता के क्षेत्र में अग्रणी जिला रहा है।

हम बालिका शिक्षा के क्षेत्र में भी नई मिसाल कायम करें। हमें सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हुए अपने लक्ष्य की ओर बढ़ना होगा। पीसांगन प्रधान श्री दिलीप पंवार ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया। इस अवसर पर एजुकेट गर्ल्स के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

adivasi girls
उड़ान
tion Day Celebration - 2015

बच्चों में शिक्षा के साथ ही संस्कार भी विकसित करें शिक्षक : देवनानी

अजमेर,(कासं)। जिले के प्रभारी एवं शिक्षा राज्य मंत्री प्रो. वासुदेव देवनानी ने कहा कि बच्चों में शिक्षा के साथ ही संस्कारों का विकास भी आवश्यक है। प्रदेश में शिक्षा के प्रति नई लहर विकसित हुई है। राज्य सरकार प्रदेश को शिक्षा के क्षेत्र में शिखर पर ले जाने की दिशा में कार्य कर रही है। इस महत्वपूर्ण कार्य में आमजन के साथ ही गैर सरकारी संगठनों का भी सक्रिय सहयोग आवश्यक है।

प्रो. देवनानी ने शुक्रवार को हंट्टी स्थित एक रिसोर्ट में गैर सरकारी संस्था एज्यूकेट गर्ल्स के स्थापना दिवस समारोह को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में शिक्षा के प्रति एक नई लहर पैदा हुई है। राज्य सरकार के प्रयासों से प्रदेश में इस साल 9 लाख नए नामांकन हुए है। सरकार शिक्षा के उन्नयन के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। प्रो. देवनानी ने कहा कि विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश में बोर्ड परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन करने वाले करीब 43 हजार विद्यार्थियों को 13 दिसम्बर से पूर्व लैपटॉप वितरित किए जायेंगे। प्रदेश में नवीं कक्षा की 5.25 लाख बालिकाओं को साईकिल वितरित की गई है। जो छात्राएं 5 किलोमीटर से अधिक दूरी से आती है उनके लिए ट्रांसपोर्ट वाउचर की व्यवस्था की गई है। उन्हें प्रतिदिन 20 रुपये ट्रांसपोर्ट वाउचर दिया जा रहा है। प्रदेश में शिक्षा विकास के लिए शिक्षा से जुड़े विभिन्न नवाचार भी किए गए हैं। प्रदेश में ग्राम पंचायत मुख्यालय पर अब कक्षा एक से 12 तक की पढ़ाई एक ही स्कूल में होगी।

अजमेर में एनजीओ 'एज्यूकेट गर्ल्स' के स्थापना दिवस कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री वासुदेव देवनानी ने शिरकत की।

■ 'प्रदेश का कोई बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहे'

प्रो. देवनानी ने कहा कि निशुल्क पुस्तकें, आठवीं तक के विद्यार्थियों को मिड-डे-मील भी दिया जा रहा है। राज्य सरकार के इन प्रयासों में आमजन एवं गैर सरकारी संगठन भी सक्रिय सहयोग करें। हम यह संकल्प लें कि प्रदेश का कोई बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहें। महापौर धर्मेन्द्र गहलोत ने कहा कि एक बालिका पढ़ लीं है तो उससे दो परिवार शिक्षित होते हैं। अजमेर साक्षरता के क्षेत्र में अग्रणी जिला रहा है। हम बालिका शिक्षा के क्षेत्र में भी नई मिसाल कायम करें। हमें सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हुए अपने लक्ष्य की ओर बढ़ना होगा। पीसांगन प्रधान दिलीप पन्वार ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया।

शिक्षा के साथ संस्कारों का विकास जरुरी : देवनानी

अजमेर (निसं.)

जिले के प्रभारी एवं शिक्षा राज्य मंत्री प्रो. वासुदेवदेवनानी ने कहा कि बच्चों में शिक्षा के साथ ही संस्कारोंका विकास भी आवश्यक है। प्रदेश में शिक्षा के प्रति नई लहर विकसित हुई है।राज्य सरकार प्रदेश को शिक्षा के क्षेत्र मेंशिखर पर ले जाने की दिशा में कार्य कर रही है। इस महत्वपूर्ण कार्य मेंआमजन के साथ ही गैर सरकारी संगठनोंका भी सक्रिय सहयोग आवश्यक है। शिक्षाराज्य मंत्राी प्रो. देवनानी ने आज हटूंडी स्थित एक रिसोर्ट में गैर सरकारी संस्था एजूकेट गर्ल्स के स्थापना दिवस समारोह को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में शिक्षा के प्रति एक नई लहर पैदा हुई है।राज्य सरकार के प्रयासों से प्रदेश में इस साल 9 लाख नए नामांकन हुए है।सरकार शिक्षा के उन्नयन के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। प्रो. देवनानी ने कहा कि विद्यार्थियोंको प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश मेंबोर्ड परीक्षाओं मेंअच्छा प्रदर्शन करने वालेकरीब 43 हजार विद्यार्थियोंको 13 दिसम्बर से पूर्व लैपटॉप वितरित किए जाएंगे।प्रदेश में नवीं कक्षा की 5.25 लाख बालिकाओं को साईकिल वितरित की गईहै।जो छात्राएं 5 किलोमीटर सेअधिकदूरी सेआती है उनके लिए ट्रासपोट वांउचरकी व्यवस्था की गई हैं।

राजसमंद : वार्षिक महोत्सव

राजसमंद| एजुकेट गर्ल्स के आठवें स्थापना दिवस के मौके पर वार्षिक महोत्सव सोमवार को द्वारकेश वाटिका में होगा। इस मौके पर मुख्य अतिथि जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. विष्णुकांत व कार्यवाहक कलेक्ट्रेट बृजमोहन बैरवा होंगे। महोत्सव के तहत सांस्कृतिक कार्यक्रम, रोल प्ले एवं हृदय स्पर्शी कहानियों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी जाएगी। एजुकेट के मुख्य परिचालन अधिकारी सुरेश सुब्रमणि की उपस्थिति में 370 बालिका टीम अपने हुनर का प्रदर्शन किया जाएगा।

वर्षगांठ पर लिया शिक्षा का संकल्प, प्रस्तुतियों से मोहा

राजसमंद. एजुकेट गर्ल्स संगठन ने सोमवार को अपना 8वां स्थापना दिवस मनाया। समारोह में एसपी डॉ. विष्णु कांत और एडीएम ब्रजमोहन बैरवा मुख्य अतिथि थे। समारोह में 11 सौ बालिकाओं ने भाग लिया और सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। एजुकेट गर्ल्स की संस्थापिका और कार्यकारी निदेशिका सफीना हुसैन ने विचार रखे। उन्होंने बताया कि यह एक गैरसरकारी संगठन है और राजस्थान के सात पिछड़े जिलों पाली, जालौर, सिरोही, अजमेर, राजसमंद, बूंदी और भीलवाड़ा में संचालित होता है और यह खासतौर से लड़कियों की शिक्षा के लिए काम करता है।

एज्यूकेट गर्ल्स ने धूमधाम से मनाया स्थापना दिवस

बालिकाओं की ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

राजसमंद। समारोह में उपस्थित जनसमुदाय एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देते कलाकार। फोटो-जयंत शर्मा

को इस वर्ष के थीम ''उड़ान'' को ध्यान में रख कर चिंतन परक तरीके से डिजाइन किया गया था। इस अवसर पर संस्था के कार्यकर्ताओं सहित सैकड़ों दर्शक उपस्थित थे।

एज्यूकेट गर्ल्स के विषय में...

संस्था के सीईओ सुरेश सुब्रह्मण्यम् ने बताया कि यह एक गैर-लाभकारी संगठन है, जो भारत के शिक्षा तंत्र में लिंग असमानता के प्रमुख कारण के मुद्दों से निपटता है। संगठन की स्थापना 2007 में की गई। लड़कियों के स्कूल में नामांकन, उनके स्कूल में बने रहने और अध्यापन पर ध्यान केन्द्रित करता है। संस्था का लक्ष्य सभी सुविधा से वंचित एवं अधिकारहीन लड़कियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है। यह राजस्थान के 7 पिछड़े जिलों पाली, जालौर, सिरोही, अजमेर, राजसमंद, बूंदी और भीलवाड़ा में कार्य करता है। संस्था द्वारा 4 हजार 6 सौ गांवों में 8 हजार से अधिक स्कूलों में अपने प्रोग्राम क्रियान्वित किए हैं। विगत 8 वर्षों में संस्था द्वारा एक लाख लड़कियों का नामांकन कराया और इसके कार्यों से 28 लाख से अधिक बच्चे लाभान्वित हुए हैं।

एजुकेट गर्ल्स ने टीम बालिकाओं ने मनाया आठवां स्थापना दिवस

एजुकेट गर्ल्स की ओर से द्वारकेश वाटिका में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक विष्णुकांत का अभिनंदन करते निदेशिका सौफीना हुसैन तथा रंगारंग प्रस्तुति देते कलाकार।

राजसमंद, 14 दिसम्बर। लड़कियों को शिक्षा के लिए शैक्षणिक रूप से पिछड़े जिलों में सरकार, स्कूल एवं लोक प्रशासकीय निकायों के साथ साझेदारी करने वाले गैर-सरकारी संगठन एजुकेट गर्ल्स ने राजसमंद जिले में आठवां स्थापना दिवस 'द्वारकेश कल्याण मंडपम वाटिका' में समारोहपूर्वक मनाया। इस वर्ष के थीम 'उड़ान' को ध्यान में रख कर चित्तनसरक तरीके से वाटिका को डिजाइन किया गया था। कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि पुलिस अधीक्षक डा.विष्णु कान्त और कार्यवाहक कलेक्टर बृजमोहन केवड़ा ने रहे। समारोह में 1100 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 1300 लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई. सदस्य, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे।

एजुकेट गर्ल्स की कार्यकारी निदेशिका सफीना हुसैन ने कहा कि वर्ष 2006-07 की याद है, जब मैंने आप में से कुछ के साथ अपने पहले 50 स्कूल चावलट को शुरु किया था। हमने कभी यह कल्पना नहीं की थी कि हम इस बुलंदियों को स्पर्श कर पाएंगे। एजुकेट गर्ल्स की इस सफल यात्रा एवं उपलब्धि में यहां पर उपस्थित आप में से प्रत्येक के कठिन परिश्रम, दृढ़ता एवं बेझिझक समर्थन की बहुत बड़ी भूमिका है। उन्होंने बालिका शिक्षा के सरोकार में अपने बहुमूल्य समय एवं प्रयास को न्योछावर करने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। एजुकेट गर्ल्स का लक्ष्य भारत की सभी बालिकाओं का व्यवहारगत, सामाजिक एवं आर्थिक रुपांतरण करना है, जहां पर सभी बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्राप्त करने का समान अवसर उपलब्ध है। इसका लक्ष्य वर्ष 2018 तक भारत के पिछड़े समुदाय में निवास करने वाले लगभग 40 लाख बच्चों तक पहुंचना है। स्थापना दिवस की 8वीं वर्षगांठ का यह समारोह, दोहरी खुशियों को ले कर आया है क्योंकि एजुकेट गर्ल्स ने इस वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक क्षेत्र के सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवार्ड-स्कोल अवार्ड को हासिल किया। यह अवार्ड एजुकेट गर्ल्स को ऑक्सफोर्ड, इंग्लैंड में दिया गया। कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं ने सामूहिक नृत्य, नाटक की प्रस्तुति देकर समां बांध दिया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक मधुसूदन व्यास, जिला शिक्षा अधिकारी प्राथमिक युगल बिहारी दाधीच, बीईईओ राजसमंद सत्यदेव शर्मा, बीईईओ रेलमगरा महेन्द्र सिंह झाला, सर्व शिक्षा अभियान के एपीसी शिवकुमार व्यास, प्रेमसिंह, गुणवत्ता प्रभारी मुकेश त्रिवेदी, रमेश जोनगर, ताराचंद, जगदीश गुर्जर, एजुकेट गर्ल्स के विकास पालीवाल, मुकेश शर्मा, मोनिका टांक सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

स्थापना दिवस मनाया

राजसमंद, (अजीत उपाध्याय): एजुकेट गर्ल्स संगठन जिसने लड़कियों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक रुप से पिछड़े जिलों में सरकार, स्कूल एवं लोक प्रशासकीय निकायों के साथ साझेदारी की है,आज अपने 8वें स्थापना दिवस की वर्षगांठ मनाने केलिए आज 'द्वारकेश कल्याण मंडपम वाटिका' में एक विशाल समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में राजसमन्द के एसपी डॉ.विष्णुकान्त और कार्यवाहक कलेक्टर ब्रज मोहन बैरवा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। प्रत्येक वर्ष के समान ही इस वर्ष भी इस समारोह में 1100 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन केलिए एक साथ उपस्थित होकर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया। जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां,रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं।

एज्युकेट गर्ल्स का आठवां स्थापना दिवस आज

राजसमंद। एजुकेट गर्ल्स के आठवें स्थापना दिवस के अवसर पर वार्षिक महोत्सव सोमवार को सुबह साढ़े 11 बजे द्वारकेश वाटिका में आयोजित किया जाएगा। एज्युकेट गर्ल्स के मुकेश शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक विष्णुकांत एवं कार्यवाहक कलेक्टर बृजमोहन बैरवा होंगे। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, रोल प्ले, हृदयस्पर्शी कहानियों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी जाएगी। इस अवसर पर एज्युकेट गर्ल्स के मुख्य परिचालन अधिकारी सुरेश सुब्रह्मण्यम भी उपस्थित रहेंगे।

राजसमंद। एज्युकेट गर्ल्स की ओर से जिला मुख्यालय के द्वारकेश वाटिका में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक विष्णुकांत का अभिनंदन करते निदेशिका सौफीना हुसैन तथा रंगारंग प्रस्तुति देते कलाकार। फोटो : मुबारिक हुक्रिया

एज्युकेट गर्ल्स ने मनाया आठवां स्थापना दिवस

राजसमंद। लड़कियों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक रुप से पिछड़े जिलों में सरकार, स्कूल एवं लोक प्रशासकीय निकायों के साथ साझेदारी करने वाले गैर-सरकारी संगठन एज्युकेट गर्ल्स ने राजसमंद जिले में आठवां स्थापना दिवस 'द्वारकेश कल्याण मंडपम वाटिका' में समारोहपूर्वक मनाया। इस वर्ष के थीम 'उड़ान' को ध्यान में रख कर चिंतनपरक तरीके से वाटिका को डिजाइन किया गया था। कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि पुलिस अधीक्षक डा.विष्णु कान्त और कार्यवाहक कलेक्टर बृजमोहन बैरवा रहे। समारोह में 1100 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित हो कर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया, जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थीं। इस अवसर पर कुल 1300 लोग उपस्थित थे, जिसमें सरकारी अधिकारी, पी.आर.आई सदस्य, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे।

एज्युकेट गर्ल्स की कार्यकारी निदेशिका सफीना हुसैन ने कहा कि वर्ष 2006-07 की याद है, जब मैंने आप में से कुछ के साथ अपने पहले 50 स्कूल पायलट को शुरु किया था। हमने कभी यह कल्पना नहीं की थी कि हम इस बुलंदियों को स्पर्श कर पाएंगे। एजुकेट गर्ल्स का लक्ष्य भारत की सभी बालिकाओं का व्यवहारगत, सामाजिक एवं आर्थिक रुपांतरण करना है, जहां पर सभी बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्राप्त करने का समान अवसर उपलब्ध है। इसका लक्ष्य वर्ष 2018 तक भारत के पिछडें समुदाय में निवास करने वाले लगभग 40 लाख बच्चों तक पहुंचना है। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक मधुसूदन व्यास, जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक युगल बिहारी दाधीच, बीईईओ राजसमंद सत्यदेव शर्मा, बीईईओ रेलमगरा महेन्द्र सिंह झाला, सर्व शिक्षा अभियान के एपीसी शिवकुमार व्यास, प्रेमसिंह, गुणवत्ता प्रभारी मुकेश त्रिवेदी, रमेश जीनगर, ताराचंद, जगदीश गुर्जर, एज्युकेट गर्ल्स के विकास पालीवाल, मुकेश शर्मा, मोनिका टांक सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

'मां बापू तुम हमें पढ़ाओ...'

■ उड़ान कार्यक्रम में उमड़ीं छात्राएं

राजसमंद @ पत्रिका. मां बापू तुम हमें पढ़ाओ, स्कूल ले चलो और पुण्य कमाओ.., ओ मां, ओ मां..., जय हो, जय हो, के गीतों पर किशोरियों ने नृत्य कर ऐसा समां बांधा की दर्शक झूम उठे। आयोजन था शहर के द्वारकेश वाटिका में एजुकेट गर्ल्स के 8वें स्थापना दिवस का।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसपी डा. विष्णुकांत और अतिरिक्त जिला कलक्टर ब्रजमोहन बैरवा थे। वहीं विशिष्ट अतिथि डीईओ (माध्यमिक) मधुसूदन व्यास, डीईओ (प्रारम्भिक) युगल बिहारी दाधीच, बीईईओ राजसमंद सत्यदेव शर्मा आदि। कार्यक्रम के दौरान संस्था की 1100 टीम बालिका सदस्यों ने यहां मंच पर गीत, नुक्कड़ नाटक, नृत्य व अपने

एज्युकेट गर्ल्स के स्थापना दिवस समारोह में प्रस्तुति देती बालिकाएं।

अनुभवों के माध्यम से लोगों को बालिकाओं को पढ़ाने की अपील की। कार्यक्रम में संस्था प्रमुख सफीना हुसैन ने संस्था के 8 वर्षों के क्रिया कलापों की जानकारी दी। गौरतलब है कि संस्था राजस्थान के सात पिछड़े जिलों में (पाली, जालौर, सिरोही, अजमेर, राजसमंद, बूंदी और भीलवाड़ा) परिचालन करता है।

आठवां स्थापना दिवस आज

राजसमंद,(निसं)। एजुकेट गर्ल्स के आठवें स्थापना दिवस के अवसर पर वार्षिक महोत्सव सोमवार 14 दिसम्बर को सुबह साढे 11 बजे द्वारकेश वाटिका में आयोजित किया जाएगा। एज्युकेट गर्ल्स के मुकेश शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक विष्णुकांत एवं कार्यवाहक कलेक्टर बृजमोहन बैरवा होंगे। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, रोल प्ले, हृदयस्पर्शी कहानियों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी जाएगी। इस अवसर पर एज्युकेट गर्ल्स के मुख्य परिचालन अधिकारी सुरेश सुब्रह्मण्यम भी उपस्थित रहेंगे।

बालिकाओं ने सामूहिक नृत्य व नाटक की प्रस्तुतियां देकर बांधा समां

- गैर-सरकारी संगठन एज्युकेट गर्ल्स ने स्थापना दिवस मनाया
- आठवें स्थापना दिवस समारोह की थीम 'उड़ान' रखी

राजसमंद में एज्युकेट गर्ल्स की ओर से आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं ने रंगारंग प्रस्तुतियां दी।

राजसमन्द, (निसं)। लड़कियों की शिक्षा के लिए शैक्षणिक रूप से पिछड़े जिलों में सरकार, स्कूल एवं लोक प्रशासकीय निकायों के साथ साझेदारी करने वाले गैर-सरकारी संगठन एज्युकेट गर्ल्स ने राजसमंद जिले में आठवां स्थापना दिवस 'द्वारकेश कल्याण मंडपम वाटिका' में मनाया गया।

इस वर्ष के थीम 'उड़ान' को ध्यान में रखकर चिंतनपरक तरीके से वाटिका को डिजाइन किया गया था। कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि पुलिस अधीक्षक डॉ. विष्णु कान्त और कार्यवाहक कलेक्टर बृजमोहन बैरवा ने रहे। समारोह में 1100 टीम बालिका सदस्यों ने इस विशेष दिवस पर पारस्परिक सराहना एवं प्रोत्साहन के लिए एक साथ उपस्थित होकर अपने संकल्प का प्रदर्शन किया। इन्होंने अत्यधिक मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी पेश किया। जिसमें संगीतमय प्रस्तुतियां, रोल-प्ले एवं उनके व्यक्तिगत संघर्ष और उपलब्धियों की हृदयस्पर्शी कहानियां शामिल थी। वहीं कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं ने सामूहिक नृत्य, नाटक भी प्रस्तुति देकर समां बांध दिया। इस अवसर पर कुल 1300 लोग उपस्थित थे। जिसमें सरकारी अधिकारी, पीआरआई सदस्य, एजुकेट गर्ल्स के कर्मचारी एवं टीम बालिका के सदस्य शामिल थे।

एज्युकेट गर्ल्स की कार्यकारी निदेशिका सफीना हुसैन ने कहा कि वर्ष 2006-07 की याद है, जब मैंने आप में से कुछ के साथ अपने पहले 50 स्कूल पायलट को शुरू किया था। हमने कभी यह कल्पना नहीं की थी कि हम इस बुलंदियों को स्पर्श कर पाएंगे। एजुकेट गर्ल्स की इस सफल यात्रा एवं उपलब्धि में यहां पर उपस्थित आप में से प्रत्येक के कठिन परिश्रम, दृढ़ता एवं वेझिझक समर्थन की बहुत बड़ी भूमिका है।

उन्होंने बालिका शिक्षा के सरोकार में अपने बहुमूल्य समय एवं प्रयास को न्योछावर करने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। एजुकेट गर्ल्स का लक्ष्य भारत की सभी बालिकाओं का व्यवहारगत, सामाजिक एवं आर्थिक रूपांतरण करना है, जहां पर सभी बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्राप्त करने का समान अवसर उपलब्ध है। इसका लक्ष्य वर्ष 2018 तक भारत के पिछड़े समुदाय में निवास करने वाले लगभग 40 लाख बच्चों तक पहुंचना है। वहीं एजुकेट गर्ल्स ने इस वर्ष के शुरू में सामाजिक क्षेत्र के सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवार्ड-स्कोल अवार्ड को हासिल किया। यह अवार्ड एजुकेट गर्ल्स को ऑक्सफोर्ड, इंग्लैंड में दिया गया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक मधुसूदन व्यास, जिला शिक्षा अधिकारीयुगल बिहारी दाधीच, बीईईओ राजसमंद सत्यदेव शर्मा, सर्व शिक्षा अभियान के एपीसी शिवकुमार व्यास आदि मौजूद थे।